जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू
Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 212 प्रभात चूरू, शुक्रवार 29 नवम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अडानी पर लगे आरोपों के बाद भारतीय बैंक नुकसान के आकलन में जुटे

अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा, 338 अरब रु. का कर्ज एस.बी.आई. ने दिया है, और उसे ही सबसे ज्यादा डर है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भारतीय बैंक जिनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस.बी.आई.) और आई.सी.आई.सी.आई. बैंक शामिल है, गौतम अडानी पर अमेरिका में रिश्वत के आरोप लगने के बाद अडानी से हुए नुकसान का आकलन कर रहे, हालांकि उन्होंने कहा कि इससे बैंक की ऋण देने की नीतियों में कोई बदलाव नहीं होगा।

इन बैंकर्स ने कहा कि उन्हें यह देखना है कि क्या अडानी ग्रुप को नया लोन देते समय जांच प्रक्रिया को और सख्त किया जाए।

बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, केनरा बैंक, आई.डी.बी.आई. बैंक और आर.बी.एल. बैंक, जिन्होंने अडानी ग्रुप को अपेक्षाकृत छोटे कर्ज़ दिए हैं, वे भी ऐसी ही कवायद कर रहे हैं।

- यह भी कहा जा रहा है कि एस.बी.आई. अडानी ग्रुप के उन प्रोजैक्ट्स को कर्ज देना जारी रखेगा जो अभी चल रहे हैं या पूरे होने वाले हैं।
- सूत्रों ने कहा, लेकिन, पर अब एस.बी.आई. सख्ती से इस बात पर ध्यान देगा कि अडानी ग्रुप कर्ज़ सम्बंधी सभी नियमों का पालन करे।
- सूत्रों ने बताया कि कोई भी बैंक इस बारे में बात करने को तैयार नही है, क्योंकि उन्हें मीडिया से वार्ता करने से रोका गया है। रिज़र्व बैंक भी मौन है।
- लेकिन आठ बैंको की तरफ से ''ऑफ द रिकॉर्ड'' कहा गया है कि नए लोन देते समय कड़ी जांच करेंगे।

एक नियामक स्त्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंक के नजरिए के अनुसार कहा घबराने की जरुरत नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज़ नहीं दिया है।

रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को इस बारे में ई मेल भेजा गया पर रिज़र्व बैंक ने जवाब नहीं दिया।

एक ब्रोकर कम्पनी आई.आई.एफ.एल. सिक्यूरिटीज़ के अनुसार, भारतीय बैंकों में एस.बी.आई. ने ही अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा 338 अरब रु. (4 अरब डॉलर) का कर्ज दिया है।

सूत्रों ने कहा कि एस.बी.आई. अडानी के उन प्रोजैक्ट्स को कर्ज देने से पीछे नहीं हटेगा, जो चल रहे हैं या पूरे होने वाले हैं। पर उसने आगे कहा कि पर अब लोन देने से पहले बैंक सतर्कता बरतेगा और सुनिश्चित करेगा कि नियमों व शर्तों का पालन किया जाए।

सभी बैंकर्स ने अपना नाम नहीं बताया क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं है। एस.बी.आई. और अडानी ग्रुप ने इससे सम्बंधित ई मेल का जवाब नहीं दिया।

नाबालिग का अपहरण-दुष्कर्म करने वालों को सजा

जयपुर, 28 नवंबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने और अपराध में सहयोग करने वाले अभियुक्तों, विकास, भोमाराम और गजेन्द्र को बीस साल की सजा से दंडित किया है।

इसके साथ ही, अदालत ने तीनों अभियुक्तों पर कुल 6.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि यौन अपराध बच्चे के मन पर गहरा असर डालता है, जिससे वह मानसिक पीड़ा और अवसाद में चला जाता है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

- अदालत ने तीन अभियुक्तों, विकास भोमाराम व गजेन्द्र को बीस साल की सजा सुनाई, 6.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने 12 अप्रैल, 2021 को गोविंदगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि पन्द्रह वर्षीय पीड़िता बीती रात घर से बिना बताए कहीं चली गई। उसे आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में वकील की कोर्ट के सामने दिन दहाड़े हत्या

उक्त वकील कोर्ट में इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय दास का बचाव कर रहा था, जिन्हे हाल ही में गिरफ्तार किया गया है

-अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बांग्लादेश में गुरुवार को चट गांव में एक कोर्ट के सामने दिन दहाड़े एक वकील की जघन्य हत्या कर दी गई। यह वकील हिंदु समुदाय के एक प्रमुख नेता का कोर्ट में बचाव कर रहा था। उक्त नेता ने देश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले का विरोध किया था।

बांग्लादेश देश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो दिल्ली में गुप्त स्थान पर हैं, ने अपनी पार्टी अवामीलीग की सोशल मीडिया साइट पर एक पोस्ट लिखी और हत्यारों को आतंकवादी करार दिया उन्होंने यूनुस सरकार से हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार न केवल अल्पसंख्यकों को बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह असफल रही है।

इस्कॉन की बांग्लादेश शाखा के एक प्रमुख सदस्य चिन्मय कृष्ण दास को मोहम्मद यूनुस सरकार ने गिरफ्तार किया है क्योंकि उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का विरोध किया। शेख हसीना ने कहा है कि चिन्मय कृष्ण दास को गलत तरीके से गिरफ्तार किया है उन्हें तुरंत छोड़ा जाना चाहिए।

- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो भारत में छिपी हुई हैं, ने हत्यारों को आतंकवादी करार दिया और यूनुस सरकार से कार्यवाही की मांग की।
- चिन्मयदास की गिरफ्तारी इसलिए हुई क्योंकि उसने सरकार से हिंदुओं को सुरक्षा देने की मांग की थी।
- बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था रेडीमेड कपड़ों के निर्यात पर आधारित है, पर हाल ही में इस निर्यात में भारी कमी आई है।
- यूनुस सरकार के सिर पर एक और मुसीबत मंडरा रही है। जब ट्रम्प राष्ट्रपति नहीं थे तब यूनुस ने उनका मजाक उड़ाया था। चूंकि ट्रम्प आसानी से भूलते नहीं हैं इसलिए पूरी संभावना है कि वे बांग्लादेश को सबक सिखाना चाहेंगे।

सरकार के खिलाप विरोध प्रदर्शन बढ़ने के कारण बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने जब से देश छोड़ा तब से वहां हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है। शेक हसीना ने जब ढाका छोड़कर नई दिल्ली में शरण ले ली है। पूरे बांग्लादेश में भारी अराजकता है, भीड़ हिंसा, लूट और आगजनी कर रही है और प्रधानमंत्री के आवास को भी लूटा गया, शेख मुजीब की मूर्ति गिरा दी गई।

उसके बाद से ही बांग्लादेश में भारी अव्यवस्था है। हिन्दुओं पर हमले की घटनाओं में भारी तेजी आई है। हथियारबंद लोग हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं उनके घर को लूट रहे हैं। चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद ये घटनाएं और बढ़ी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली

पहली बार गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्य संसद सदस्य बने

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आज लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। गांधी परिवार के लिये यह एक ऐतिहासिक क्षण था। प्रियंका द्वारा संसद सदस्य की शपथ लेने के साथ ही, प्रतिष्ठित गांधी परिवार के तीनों सदस्य- प्रियंका, राहुल तथा सोनिया गांधी अब संसद सदस्य हैं। ऐसा भारतीय राजनैतिक इतिहास में पहली बार हुआ है।

जहाँ राहुल गांधी रायबरेली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वहीं सोनिया गांधी राज्य सभा सदस्य हैं।

प्रियंका ने संविधान की लाल एवं काले रंग की प्रति को हाथ में लिये हुये शपथ ली। केरल में बनी क्रीम रंग की "कसावू" साड़ी पहने, प्रियंका गांधी जब शपथ लेने के लिए उठीं, उस समय कांग्रेस सांसद करतल-ध्वनि के बीच "जोड़ो, जोड़ो, भारत जोड़ो" के नारे लगा रहे थे।

- प्रियंका गांधी ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ ग्रहण की, कांग्रेसियों ने जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो के नारे लगाए।
- इस दौरान प्रियंका की माँ सोनिया गांधी, जो राज्यसभा सदस्य हैं और उनके भाई राहुल गाँधी भी मौजूद थे। दर्शक दीर्घा में प्रियंका के पति व उनके दोनों बच्चे भी मौजूद थे।
- लोकसभा में प्रियंका के आने पर सोनिया गांधी और राहुल गाँधी ने खुशी जताई। राहुल ने एक्स पर लिखा, "प्रियंका तुम पर गर्व है।"

जब वे शपथ ले रही थीं, उस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका की माँ तथा कांग्रेस संसदीय पार्टी (सी.पी.पी.) प्रमुख सोनिया गांधी, पति रॉबर्ट वाड्रा पुत्र रेहान तथा पुत्री मिराया दर्शक दीर्घा में बैठे हुए थे।

शपथ लेने के बाद, प्रियंका गांधी ने सभी औपचारिकताएं पूरी की तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी.एस. को तलब कर एक लाख रुपए के हर्जाना आदेश पर रोक

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना से जुड़े मामले में दायर याचिका में एकलपीठ की ओर से मुख्य सचिव को तलब करने और राज्य सरकार पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाने के आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश मुख्य सचिव की ओर से दायर याचिका अपील पर सुनवाई करते हुए

- महाविद्यालय ने कहा, रोडवेज़ के खिलाफ याचिका थी, राज्य सरकार तो पक्षकार भी नहीं थी। फिर भी मुख्य सचिव को तलब किया और राज्य सरकार पर एक लाख का हर्जाना लगाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद में बज रहा परिवारवाद का डंका

अकेला गांधी परिवार ही नहीं कई अन्य नेताओं के परिजन भी संसद में हैं

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा वायनाड लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही, जाहिर है, परिवारवादी राजनेताओं की सूची में वृद्धि हो गई है। गांधी परिवार के तीनों सदस्य सोनिया, राहुल तथा प्रियंका अब एक साथ संसद में हैं। यह अलग बात है कि सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के परिवार के चार सदस्य अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिम्पल तथा अखिलेश के चचेरे भाई अक्षय और धर्मेन्द्र यादव संसद में हैं। शरद पवार और उनकी पुत्री सुप्रिया सुले दोनों संसद में हैं, हालाँकि ये दोनों अलग-अलग सदनों के सदस्य हैं। पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन लोकसभा सदस्य हैं। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री करूणानिधि की पुत्री कनिमोई तथा चचेरे पौत्र दयानिधि मारन भी लोकसभा में एक साथ हैं। इनके अलावा, पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि उनके पुत्र कार्ति लोक सभा में हैं।

- कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी से अखिलेश के परिवार के चार सदस्य संसद में हैं। स्वयं अखिलेश, उनकी पत्नी और दो चचेरे भाई।
- प्रधानमंत्री मोदी जब से सत्ता में आए हैं उन्होंने परिवारवाद का विरोध किया है, पर उनकी पार्टी भाजपा में भी परिवारवादी राजनीति का भारी प्रभाव है।

भाजपा या एन.डी.ए. भी "परिवारवादी राजनीति" से अप्रभावित नहीं हैं। राजनैतिक परिवारों के करीब 20 सदस्य एन.डी.ए. की तीसरी सरकार में मंत्री बनाये गये हैं। इनमें शामिल हैं- एच.डी. कुमारास्वामी, जो पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौडा के पुत्र हैं; ज्योतिरादित्य सिन्धिया, जो माधवराव सिन्धिया के पुत्र हैं; पीयूष गोयल, जो पूर्व कैबिनेट मंत्री वेद प्रकाश गोयल के पुत्र हैं, किरेन रिजिजू, जो अरुणाचल के प्रथम प्रो-टैम स्पीकर रिचिन खारू के पुत्र हैं, रवनीत सिंह बिट्टू, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअन्त सिंह के पौत्र हैं, जितिन प्रसाद, जो जितेन्द्र प्रसाद के पुत्र हैं, राव इन्द्रजीत सिंह, जो हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री राव बिरेन्दर सिंह के पुत्र हैं, जे.पी. नड्डा, जो पूर्व सांसद तथा मध्य प्रदेश की मंत्री जयश्री बनर्जी के दामाद हैं।

वस्तुतः परिवारवादी राजनेताओं की सूची अनन्त है। अन्य केन्द्रीय मंत्रियों, जो राजनैतिक परिवारों से हैं, में शामिल है रक्षा खड़से महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से की पुत्रवधू हैं, जयन्त चौधरी, चौधरी चरणसिंह के पौत्र हैं, रामनाथ ठाकुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के पुत्र हैं, के. राममोहन नायडू पूर्व केन्द्रीय मंत्री येरन नायडू के पुत्र हैं, अनुप्रिया पटेल अपना दल संस्थापक सोनेलाल पटेल की पुत्री हैं, कीर्तिवर्धन सिंह उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री महाराज आनन्द सिंह के पुत्र हैं, चिराग पासवान पूर्व केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान के पुत्र हैं।

पिछले 10 वर्षों में खासतौर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी "परिवारवाद"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

काम से शोक उत्पन्न होता है। –धम्मपद

क्या जातिगत आरक्षण वोट पाने की कुनीति है?

राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त की एक कविता में भारतीय संस्कृति की महानता का जो परिचय कराया गया वह अभूतपूर्व है। हमारे संविधान में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय के हेतु जो प्रावधान प्रियम्बल चेप्टर तीन व चेप्टर चार में किये हैं, वे देश की उच्च परम्परा और संस्कृति के अनुरूप हैं। संविधान के अनुच्छेद 14 में समता व समानता तथा अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर विभेद का अतिषेध किया है, वह संविधान की विशिष्टा को इंगित करता है और हमारी सदियों की उच्च संस्कृति को प्रतिलक्षित करता है। समता, समानता, समरसता और बन्धुत्व की भावना व्यक्ति की गरिमा को निखारती हैं। कविता का एक पेरा इस प्रकार है:–

भारत माता का मंदिर पर, समता का संवाद यहाँ
सबका, शिव कल्याण यहाँ है, पावें सभी प्रसाद यहाँ।
जाति, धर्म या सम्प्रदाय का नहीं है भेदभाव यहाँ,
सबका स्वागत, सबका आदर, सबका सम सम्मान यहाँ।

सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन देने हेतु भारतीय संविधान में अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़ों के लिये आरक्षण के प्रावधान हैं संविधान के अनुच्छेद 16 में संविधान 103वें संशोधन अधिनियम, 2019 से आर्थिक रूप से दुर्बल वर्गों के लिये 10 प्रतिशत तक आरक्षण की बात की। इससे पूर्व जैसा ऊपर लिखा है आरक्षण का प्रारम्भ सामाजिक व शैक्षणिक रूप से पिछडों को लाभ पहुंचाने के परम धर्म के हेतु किया था।

केन्द्र व राज्य सरकार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी जातियों के लिये सीटें आरक्षित करती हैं यह आरक्षण जाति के आधार पर है, जो जन्म से तय होती है।

देश में आरक्षण की स्थिति इस प्रकार है:–

अनुसूचित जाति (SC)	15% आरक्षण
अनुसूचित जनजाति (ST)	7.5% आरक्षण
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	27% आरक्षण
कुल आरक्षण 49.5% आरक्षण (सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तय सीमा 50%)	
संविधान 103वें संशोधन के बाद सामान्य वर्ग को	10% आरक्षण

(सामान्य वर्ग के सभी धर्मों के लोगों को आर्थिक स्थिति के अनुसार)

कुछ समय पूर्व बिहार ने जाति जनगणना के आंकडे. तैयार कर प्रकाशित किये थे। इसके अनुसार राज्य ने सरकारी नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की सीलिंग को बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया। यह सीमा इंदिरा साहनी के केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन था। बिहार के बाद अन्य राज्य भी अब जनगणना की बात कर रहे हैं और कई राजनैतिक दलों ने जातिगत जनगणना और आरक्षण को लेकर चुनावों में माहौल गर्म किया। जातिगत आरक्षण को राजनीतिक हथियार के रूप में काम में लेने का यह तरीका काम में लिया गया। कई राज्यों में 50 प्रतिशत सीमा, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था, उसे तोड़ दिया है और कुछ सीमा को बढ़ाना चाहते हैं।

आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण का उद्देश्य संशोधन विधेयक 2023 द्वारा आरक्षण 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत कराने का है। 10 प्रतिशत EWS के के रूप में अन्य अधिनियम से कवर हैं।

बिहार के आरक्षण विधेयक के बाद, महाराष्ट्र में मराठाओं के लिये अलग से आरक्षण की मांग उठी है। शिक्षा व सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव दिया गया था। बम्बई हाईकोर्ट ने उसे संवैधानिक माना। मई 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि यह आरक्षण सुप्रीम कोर्ट की पूर्व में तय की गई सीमा का उल्लंघन है। विवाद चल रहे हैं। जातिगत जनगणना की मांग जोर पकड रही है। एक ओर राहुल गांधी जातिगत जनगणना की मांग उठा रहे हैं तो पी एम मोदी का संकल्प है कि यह मांग कभी भी स्वीकार नहीं होगी। अधिकांश राजनेताओं का कथन है कि जातिगत सर्वेक्षण समाज को विखण्डित करने की साजिश है। कांग्रेस इसे वोट प्राप्त करने के लिये हथियार के रूप में उपयोग करना चाहती है। समता आन्दोलन समिति ने अपनी एक कार्यशाला में यह माना है कि आरक्षण गरीबों के लिये एक अभिशाप है। आरक्षण की मलाई सिर्फ–सिर्फ अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के धनी लोग ही चाट रहे हैं। आरक्षित व पिछडे वर्गों के वास्तविक गरीबों तक यह आरक्षण कभी पहुँचा ही नहीं है।

यह सही है कि दलितों का उत्पीडन हुआ था और वे सामाजिक न्याय के अधिकारी हैं और आरक्षण उनके पिछडेपन को समाप्त करने के हेतु एक साहसिक कदम है। वे भी समता समानता के अधिकारी हैं।

बाबा साहब अम्बेडकर ने संविधान निर्माण के बाद कहा था यह हमारा भ्रम है कि देश एक राष्ट्र है, किन्तु यह सही नहीं है, क्योंकि हमारा देश हजारों जातियों में बंटा हुआ है। अतः हमें स्वीकार करना होगा कि जातिगत जनगणना का कोई औचित्य नहीं है। जातिगत आरक्षण और जनगणना केवल वोट लेने की कुनीति है।

जातिगत आरक्षण अथवा जातिगत सर्वेक्षण एक प्रकार से समाज को बांटने की प्रक्रिया है। बिहार में सर्वेक्षण हुआ था और जनगणना की गई थी। नीतिश कुमार ने बिहार में आरक्षण में बढ़ोत्तरी जाति सर्वेक्षण के बाद की घटना कहा है। इंदिरा साहनी के केस में 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा तय की गई थी और इंदिरा साहनी के केस के बाद अनेक केसों में रेफर किया गया है, सभी निर्णयों में इस 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को सही माना है। अत: इस बात सीमा बढ़ाने की मांग उठाना उचित नहीं है।

संविधान में अनुच्छेद 334 में यह व्यवस्था की थी कि विधानसभा व लोकसभा के चुनाव में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये स्थानों के आरक्षण की व्यवस्था दी है, किन्तु यह स्पष्ट कर दिया था कि यह आरक्षण 10 वर्ष बाद स्वत: समाप्त हो जायेगा। यह दुर्भाग्य का विषय है कि इस अवधि को प्रत्येक 10 वर्ष के लिये अनाधिकृत रूप में बढ़ा दिया जाता है। इस प्रावधान की वैधानिकता की सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालयों में चुनौती दी गई है किन्तु 20 वर्षों से भी अधिक समय हो चुका है, इनकी सुनवाई नहीं हो पाई है।

वस्तुत: जनगणना पारदर्शी तरीके से कराना सम्भव नहीं है, क्योंकि जनगणना के अन्तर्गत सभी जातियों की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्थिति आंकी जानी अपेक्षित है। निजी व सरकारी दोनों प्रकार के क्षेत्रों का आंकलन होना चाहिये। यह कठिन कार्य है। आरक्षण का लाभ शिक्षा व रोजगार के हेतु होता है, किन्तु जो लोग प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के स्तर पर नहीं पढ़ पाये हैं, उन्हें तो लाभ नहीं मिलेगा।

यह भी स्पष्ट है कि जो पिछड़े क्रिमीलेयर में आ चुके हैं उन्हें आगे आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिये। इन्द्रा साहनी के केस के अनुसार क्रिमीलेयर में आने के बाद आरक्षण चालू रखना सही नहीं है। क्या आप मंत्री, डाक्टर, विधायकों, बड़े व्यापारियों के परिवार आदि को, जिन्होंने आरक्षण का लाभ प्राप्त किया है, उन्हें पिछड़ा मानेगें? एम नागराज के केस में सुप्रीम कोर्ट ने यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि आरक्षण व्यक्ति को उसी स्थिति में मिलेगा जब वह साबित करेगा कि उसका पिछड़ापन अभी समाप्त नहीं हुआ है। वह अभी भी पिछड़ा ही है।

जातिगत आरक्षण की मांग जातियों में विभाजन पैदा करेगा जिसे आरक्षण नहीं मिलेगा वह विवाद खड़ा करेगा। जिसे राजनैतिक पार्टी आरक्षण दिलायेगी वह वोटों की मांग करेगी ताकि वे चुनाव जीत कर अपने नेता को विधानसभा/लोकसभा में भेज सकें। इस प्रकार वोटों के लालच में यह जनगणना की तथा जातिगत आरक्षण की बात उठाई जा रही है। इससे राजनीति में कटुता बढ़ेगी और देश कभी भी विकास की गति प्राप्त नहीं कर सकेगा। आजादी के 75 वर्षों बाद भी विकास का हाल तो यह है कि आरक्षण प्राप्त कराने के उद्देश्य से यह लडाई लडी जा रही है कि लोग यह कहने में गर्व करते हैं ‘‘मैं तुझसे अधिक पिछड़ा हूँ’’।

आजादी की लड़ाई के बाद हमने अपना संविधान बनाया। पिछडों के लिये शिक्षा, नौकरी और विधानसभा/लोकसभा में सीटों का आरक्षण किया। इस आरक्षण से संतुष्ट नहीं होने पर ओबीसी का आरक्षण हुआ। आरक्षण का जाल सब जगह फैला हुआ है। आर्थिक आरक्षण 10 प्रतिशत है यह अनुच्छेद 16(6) के अनुसार है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अन्य आरक्षण से भिन्न माना है।

रिजर्वेशन का उद्देश्य है, सब में समानता (Equality) लाना है। क्या लोगों का पिछड़ापन अभी तक समाप्त नहीं हुआ है? यदि नहीं तो हमने इन 75 वर्षों में शायद कुछ भी विकास नहीं किया। बिहार के अलावा अन्य राज्यों में भी जातिगत आरक्षण की मांग उठ रही है। झारखण्ड, हरियाणा और कर्नाटक में आरक्षण करने का प्रयत्न हो रहा है किन्तु बिहार व हरियाणा के आरक्षण को न्यायालय ने सुनने से इन्कार कर दिया। किन्तु आश्चर्य है कई राजनीतिक दल इस बाबत मांग कर रहे हैं।

लेखक संजीव कौशिक, वरिष्ठ पत्रकार के विचारों से सहमत हूँ, उन्होंने एक लेख में लिखा है वह इस प्रकार है:–

‘‘आरक्षण वैशाखी नहीं है, जिसके सहारे जिन्दगी काटली जावे समय की मांग है कि जातिगत आरक्षण के विषय में आगे की राय तय करने के लिये सभी हित धारकों द्वारा अपने पूर्वाग्रहों को पीछे छोड़, भविष्यन्मुखी नीति का निर्माण किया जावे जिससे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास का सपना पूरा हो सके’’।

आरक्षण का अर्थ है ऐसे उपाय किये जावें जिससे दलितों का पिछड़ापन समाप्त हो और वे साधारण लोगों जैसा समान स्तर समाज में प्राप्त कर सकें। बिहार में जैसा ऊपर कहा है कि जाति जनगणना में एसटी, एससी, ओबीसी की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है और वे 65 प्रतिशत आरक्षण के अधिकारी अपने को मान रहे हैं। इसका अर्थ है आजादी के 75 वर्षों के बाद इन लोगों का पिछड़ापन समाप्त नहीं हुआ। इन्द्रा साहनी के केस में एसटी, एससी, ओबीसी का आरक्षण 49.5 प्रतिशत माना था और जनरल केटेगरी के लोगों की आबादी जिसमें धार्मिक अल्पसंख्यक थे उन्हें 50 प्रतिशत से अधिक माना था। अब यदि पिछड़ों की संख्या बढ़ी है तो बिहार की तरह देश में अन्य स्थानों पर भी आरक्षण 65 प्रतिशत या इससे अधिक हो जावेगा। इसका अर्थ है जातिगण जनगणना में इस तथ्य पर विचार नहीं हुआ कि कितने परसेन्ट पिछड़े, शिक्षा और नौकरी के कारण अब पिछड़े नहीं रहे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने कई निर्णयों में इसे स्पष्ट कर दिया है कि 50 प्रतिशत की सीमा को लांघा नहीं जावेगा। अत: जातिगत जनगणना अथवा आरक्षण को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाना देश के कानून के विरूद्ध है।

बाबा साहब अम्बेडकर ने संविधान निर्माण के बाद कहा था यह हमारा भ्रम है कि देश एक राष्ट्र है, किन्तु यह सही नहीं है, क्योंकि हमारा देश हजारों जातियों में बंटा हुआ है। अतः हमें स्वीकार करना होगा कि जातिगत जनगणना का कोई औचित्य नहीं है। जातिगत आरक्षण और जनगणना केवल वोट लेने की कुनीति है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

धूमकेतु राजनेता का विश्लेषण

डॉ. रामावतार शर्मा

धूमकेतु अंतरिक्ष में सूर्य के चारों तरफ घूमता एक शिलाखंड है। माना जाता है कि हर धूमकेतु अत्यंत प्राचीन काल में किसी विशाल धूमकेतु के अनगिनत टुकड़ों में से एक होता है। बर्फ जैसा ठंडा यह धूमकेतु जब सूर्य के पास आता है तो उसकी ऊर्जा से प्रज्ज्वलित हो उठता है। इसी ऊर्जा के दम पर यह अदना इकलौता आकाश में चमक कर इठलाने लगता है।

इसमें से निकलने वाली गैस एक पूंछ का रूप ले लेती हैं इसलिए इसे पुच्छल तारा भी कहा जाता है। जब यह पहली बार दिखता है तो बहुत चमकता है पर चंद दिनों बाद वर्षों के लिए गायब हो जाता है और लोग इसके आगमन और पलायन दोनों को भूल जाते हैं। जरा ध्यान से देखें तो राजनीति के आकाश में भी धूमकेतु नेता आते जाते रहे हैं। वर्तमान में मौजूद हैं और भविष्य में भी आते रहेंगे।

ये नेता किसी स्थिति विशेष, जाति या धर्म विशेष या फिर सामाजिक जटिलताओं का सहारा ले कर यकायक राजनीति के आकाश में उभरते हैं, कुछ लोगों खासकर युवा वर्ग में तीव्र ऊर्जा का संचार करते हैं और फिर इसी आकाश में कहीं गुम हो जाते हैं।

ऐसे नेता राष्ट्रीय स्तर पर भी उभरते हैं परंतु अधिकतर मामलों में राज्य स्तरीय ही होते हैं। राजस्थान में ऐसे एक नेता 1980 के आसपास उभरे थे जिनके बारे में कहा गया था कि बड़े ‘फायरब्रांड’ नेता हैं और एक दिन राज्य के सर्वेसर्वा पद पर विराजमान होंगे। उस दौर में उनके पीछे युवा समर्थकों का झुंड कतारबद्ध होता था जैसे धूमकेतु के पीछे उसकी पूंछ होती है। स्वभाव में आक्रामकता तो थी पर उनका न तो कोई राजनीतिक दर्शन था, न कोई दीर्घ कालिक सोच और ना की किसी तरह की योजना और उसके कार्यान्वयन के लिए बौद्धिक टीम जिसे थिंक टैंक कहा जाता है।

समय के साथ वृहद भारत से सिमट कर हिन्दू नेता बने, आगे चलकर सिर्फ एक जाति के हुड़दंगी नेता और फिर मात्र एक दो विधानसभा क्षेत्रों तक सिकुड़कर रहने वाले भिक्षु नेता बन गए जिनको भिक्षा भी पूर्णता से न मिल सकी और राजनीति एवं उम्र के आखिरी पड़ाव पर पराजय ही उनकी झोली में आई। दूसरे स्वघोषित शेर को अपने ही घर में, अपने ही पूर्व अनुयायी के हाथों शिकस्त मिली। एक अन्य जो उपरोक्त दोनों से प्रेरित हुआ, कानून हाथ में लिया और पराजय के साथ कस्टडी की सलाखों से अपमानित हुआ।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल तेजी से उभरा। देश के साथ विदेशों में भी लोगों की रुचि का विषय बना पर अब गुमनामी की सीढ़ियों की तरफ अग्रसर है। तकरीबन यही हाल मायावती का है और ऐसा कुछ ही दलित नेता चंद्रशेखर का होने वाला है। कॉलेज प्रिंसिपल की मेज को ठोकते और उन पर चिल्लाने वाले युवा नेता समय के साथ जातिगत राजनीति की परिधि में सिकुड़ते देखे गए है।

इन सब उदाहरणों को देख कर मन में एक सहज जिज्ञासा उठती है कि इतने ऊर्जावान होकर भी ये नेतागण क्यों धूमकेतु की तरह गुम हो जाते हैं या प्रभावहीन हो कर किसी क्षेत्र विशेष तक सिकुड़ जाते हैं। मानव स्वभाव और मनोविज्ञान पर आधारित विश्लेषण कुछ रोचक बाते सामने लाता है। इन आक्रामक नेताओं का पदार्पण ज्यादातर भय तथा हुड़दंगबाजी के साथ होता है जिसमें ये युवकों का समूह बना कर समाज और प्रशासन को प्रभावित करते हैं। प्रभाव तो ये डालते हैं पर किसी भी प्रकार की गंभीर जिम्मेदारी से बचने में प्रयासरत नजर आते हैं और हर व्यक्ति को प्रसन्न रखने तथा उसका जीवन बदलने का वादा करते हैं परंतु यह सब कुछ कैसे होगा, इस सवाल पर आक्रामक हो जाते हैं।

चूंकि ये लोग व्यक्तिवादी होते हैं तो गांव, कस्बे या शहर स्तर पर अपने संगठन में अन्य किसी को उभरने नहीं देते। माना कि बड़ी पार्टियों में भी एक शीर्ष नेता होता है पर स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की भी बात सुनी जाती है परंतु धूमकेतु नेता स्वयं के अलावा अन्य किसी सहयोगी की प्रशंसा न तो करता है और न ही सुनता है। वह स्वयं की किसी भी गलती को सुनने और मानने से इनकार करता है बल्कि आरोप, आलोचना, गाली गलौज, मारपीट और अपमान को हथियार के रूप में उपयोग करता है जिसके फलस्वरूप एक बड़ा वर्ग उसका विरोधी बन जाता है जो भयवश जयकारा तो लगा सकता है पर वोट देना बंद करने लगता है। धूमकेतु नेता चंद स्थानीय समस्याओं को लेकर आक्रामक होता है परंतु उसके पास कोई स्पष्ट योजना और उसके कार्यान्वित करने के साधनों का अभाव होता है। यही कारण है कि ऐसे नेता अपने लंबे कार्यकाल में भी अपने क्षेत्र में कोई ऐसा सर्वजन हितार्थ काम करवा पाने में असफल होते नजर आते हैं जिसकी वजह से उन्हें लंबे समय तक याद किया जा सके। ये लोग भूल जाते हैं कि स्थानीय डॉक्टर, थानेदार या अभियंता पर चिल्लाना ही जन नेता का काम नहीं है। घमंड, गप्पबाजी, तथ्यहीनता और अफसरशाही की प्रताड़ना द्वारा खबरों में रहने की आदत बन जाती है जिसकी वजह से कोई भी गंभीर योजनाकार इन लोगों के साथ टिक नहीं पाता और इन नेताओं की ऊर्जा का ह्रास होने लगता है। चमकता पुच्छल तारा समय के साथ महज टिमटिमाता नजर आने लगता है। चूंकि ऐसे नेता अत्यधिक मेहनती होते है तो इनकी ऊर्जा भी तेजी से कम होने लगती है क्योंकि अपनी पार्टी या इलाके में हर काम इन्हें खुद ही करना पड़ता है। ये लोग इस बात को अनदेखा कर देते हैं कि चाहे प्रजातंत्र हो, राजतंत्र या फिर चाहे अधिनायकवाद हो हर जगह एक मजबूत संगठन ही किसी व्यक्ति को ध्रुव तारा बनाता है।

धूमकेतु का श्रृष्टि निर्माण में कोई योगदान नहीं होता, इनकी कोई जिम्मेदारी नहीं होती, इनके बारे में भय और भ्रांति बनी रहती है तथा लोगों के मन में ये बात बैठी रहती है कि इनकी चमक स्थाई नहीं है परंतु जब तक है तब तक मनोरंजक है, उत्साहजनक भी है। आक्रामक परंतु दिशाहीन युवा कार्यकर्ताओं की भीड़ से घिरे इन आत्ममुग्ध ऊर्जावान नेताओं के पर कोई गंभीर विचारक पहुंचने का प्रयास तक नहीं करता है। इनकी नियति प्रारंभिक चमक के बावजूद विलुप्ति ही होती है। ऐसा होता रहा है, अभी हो रहा है और आगे होता भी रहेगा। इति!!

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

शहरी इलाके में घुसे पैंथर ने युवक व गाय को घायल किया, लोगों में दहशत

हमला करने के बाद एक मकान के बाथरूम में घुसकर बैठा रहा पैंथर

सीकर, (निसं)। शहर के जयपुर रोड स्थित वार्ड नंबर 40 के सैनी नगर इलाके के लोग गुरुवार को करीब छह घंटे तक इलाके में पैंथर की दस्तक के चलते दहशत में रहे। शहर के जयपुर रोड स्थित सैनी नगर में गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे एक मकान के पास पड़े कचरे के नजदीक पैंथर का मूवमेंट लोगों को नजर आया। पैंथर को देखने के बाद जब लोगों ने शोरगुल किया तो पैंथर वहां से दौड़ता हुआ नजदीक ही एक मकान की सीढ़ीओं के नजदीक बने बाथरूम में घुसकर बैठ गया।

मकान में घुसने से पहले पैंथर ने एक कारखाने में काम करने वाले युवक निखिल पर भी हमला कर दिया। पैंथर के हमले से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए एसके अस्पताल भेजा गया, जहां से युवक को जयपुर रैफर करने की सूचना है। वही पैंथर ने सुबह एक गाय पर भी हमला कर दिया। जिससे गाय भी घायल हो गई। पैंथर की सूचना पर सीकर वन विभाग की टीम और उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वन विभाग के

जयपुर से आई वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने पैंथर को बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर ट्रेकुलाइज किया।

अधिकारियों ने पैंथर को पकड़ने के लिए जयपुर वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। करीब पांच घंटे बाद जयपुर से वन विभाग की रेस्क्यू टीम पैंथर को

■ पैंथर की सूचना पर सीकर वन विभाग की टीम और उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची

ट्रेकुलाइज कर पकड़ने के लिए सीकर पहुंची। जयपुर से आई वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने कड़ी मेहनत के बाद पैंथर को बाथरूम में बंद कर बंदूक से बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर ट्रेकुलाइज किया। पैंथर को बेहोशी का इंजेक्शन लगाने के बाद भी करीब डेढ़ घंटे तक वन विभाग की टीम पैंथर के पूरी तरह से बेहोश होने का इंतजार करती रही। ट्रेकुलाइज करने के करीब डेढ़ घंटे बाद रेस्क्यू टीम ने पैंथर के पूरी तरह से बेहोश होने पर संतुष्टि जताते हुए पैंथर को बेहोश की हालत में बाथरूम से बाहर निकाला और पिंजरे में डालकर रेस्क्यू टीम रवाना हो गई।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पैंथर की बेहोशी उतारने के बाद उसे सुरक्षित स्थान पर जंगल में छोड़ा जाएगा। पैंथर की सूचना पर नगर परिषद के निवर्तमान सभापति जीवन खां भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। वहीं इलाके में पैंथर होने की सूचना पर बड़ी संख्या में लोगों का हुजूम भी मौके पर पहुंच गया। पैंथर को देखने के लिए लोग घंटे तक मकान की छतों व गली में खड़े रेस्क्यू टीम द्वारा पैंथर को बाहर लेने का इंतजार करते रहे। पैंथर के पकड़े जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

जिला वन संरक्षण अधिकारी रामोतार दूधवाल ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि सुबह करीब 10:15 बजे सूचना मिली कि शहर के जयपुर रोड इलाके में पैंथर का मूवमेंट देखा गया है, जिस पर तुरंत जयपुर वन विभाग रेस्क्यू टीम को सूचना देकर बुलाया गया। सूचना पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने पैंथर को ट्रेंकुलाइज कर बेहोश किया। अब पैंथर के होश में आने पर उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश अनुसार पैंथर को नेचुरल सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा।

आधार सत्यापन से दोहरे आवेदन एवं डमी कैंडिडेट पर लगाम लगेगी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोकसेवा आयोग को राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग से भी अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक सत्यापन की अनुमति प्राप्त हो गई है। 27 नवंबर 2024 को जारी की गई अधिसूचना अनुसार आयोग अभ्यर्थियों के द्वारा किए जाने वाले दोहरे आवेदनों की छंटनी, अभ्यर्थियों के सत्यापन, जालसाजी एवं डमी कैंडिडेट की रोकथाम के लिए आधार सत्यापन प्रणाली का उपयोग कर सकेगा। इससे पूर्व माह सितंबर 2024 में भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा भी आधार कार्ड के माध्यम से अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन करने की अनुमति आयोग को प्राप्त हो गई थी।

आयोग सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया के विभिन्न चरणों यथा ऑनलाइन आवेदन जांच, साक्षात्कार, काउंसलिंग, दस्तावेज सत्यापन, लिखित परीक्षा व नियुक्ति में अभ्यर्थी की पहचान का सत्यापन इसके माध्यम से किया जा सकेगा। गत् समय के दौरान सामने आए डमी अभ्यर्थियों के प्रकरणों को देखते हुए आधार बायोमैट्रिक सत्यापन आयोग की

■ कार्मिक विभाग ने भी आयोग को अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक सत्यापन का अधिकार दिया

विश्वसनीयता तथा कार्य प्रणाली में मील का पत्थर सिद्ध होगा। राजस्थान लोक सेवा आयोग के आग्रह पर कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार द्वारा 8 मई 2024 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार को पत्र प्रेषित किया गया था। इस पर कार्यवाही करते हुए आधार एक्ट 2016 की धारा 4 एवं आधार ऑथेंटिकेशन फॉर गुड गवर्नेंस नियम 2020 के अंतर्गत अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापित करने के उद्देश्य से आधार सत्यापन का लिंक प्रदान किया गया था। इसी क्रम में राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा भी आयोग को इसका उपयोग करने की अनुमति के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षाओं की शुचिता भंग करने तथा जालसाजी करने वाले व्यक्तियों व नकल गिरोहों पर लगाम के लिए आवेदन से लेकर परीक्षा प्रक्रियाओं तक में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इनमें वन टाइम रजिस्ट्रेशन के दौरान अंगूठा निशानी, लाइव फोटो कैप्चर, ओएमआर शीट में पांचवा विकल्प, इंटरव्यू में बोर्ड आवंटन जैसी विशेष प्रक्रियाएं सम्मिलित है। आधार बायोमेट्रिक सत्यापन सुविधा प्राप्त होने से आयोग अब और अधिक सशक्त हो सकेगा तथा जालसाजी कर परीक्षाओं में सम्मिलित होने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जा सकेगी।

राशिफल शुक्रवार 29 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र दिन 10:18 तक, शोभन योग सायं 4:33 तक, वणिज करण प्रात: 8:40 तक, चन्द्रमा शनिवार प्रात: 6:03 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–तुला, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–धनु, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रात: 8:40 से सायं 9:35 तक रहेगी। आज त्रयोदशी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:20 तक, लाभ–अमृत 8:20 से 10:57 तक, शुभ 12:15 से 1:33 तक, चर 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:01, सूर्यास्त 5:29

मेष

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

व्यावसायिक परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

कर्क
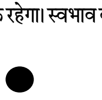
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में संयम रखना ठीक रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

सिंह

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार में चल रहे मतभेद समाप्त होंगे।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
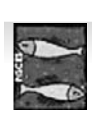
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
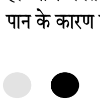
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आगाज, ज़िले में हुए विभिन्न आयोजन

सीकर । राष्ट्रव्यापी अभियान को हमें मिलकर ज़िम्मेदारी से उठाना होगा। सभी के सामूहिक प्रयास से ही इस कुप्रथा को समाप्त किया जा सकता है। यह विचार सीकर ज़िले में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के आ ान के समर्थन में ज़िले की पिपराली पंचायत समिति के तारपुरा ग्राम पंचायत में गायत्री सेवा संस्थान, उदयपुर एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के आगाज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन (जेआरसी) के संस्थापक भुवन ऋभु ने ऑनलाइन व्यक्त किए। इस अवसर पर सरपंच संतरा देवी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुआ कहा कि नन्ही उम्र खेलने, पढ़ने और आगे बढ़ने का समय है। बचपन में बच्चों को बाल विवाह के दलदल में डालना किसी पाप से कम नहीं हैं बाल विवाह समाज पर कलंक है, हमें सभी को मिलकर इसे मिटाना होगा। गायत्री सेवा संस्थान के जिला समन्वयक नरेश कुमार सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित इस अभियान से निश्चित ही बाल विवाह की रोकथाम एवं जन-जागरूकता में काफ़ी सहायता मिलेगी। आज पूरे राष्ट्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर बाल विवाह मुक्त समाज के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों और ग्रामीणों को शपथ दिलवाने की भारत सरकार की अपील में सीकर ज़िले की पहल सराहनीय है, जल्द ही ज़िला प्रशासन के साथ मिलकर ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने के लिए प्रयास किया जाएगा। सहायक उपनिदेशक बाल अधिकारिता विभाग सीकर गार्गी शर्मा ने बताया कि ज़िले में ज़िला प्रशासन, बाल अधिकारिता विभाग सीकर के साथ मिलकर प्रातः 10 बजे से शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमे ज़िले के चयनित राजकीय बालिका स्कूल दौलतपुरा में दिल्ली में चल रहे कार्यक्रम को प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया गया और बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलवाई गई। समापन तारपुरा ग्राम पंचायत में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मशाल यात्रा निकालकर किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय सरपंच संतरा देवी,कैलाश नारायण शर्मा, हरलाल कड़वासरा, नेमीचंद खेदड, नंदलाल सेन, बाबूलाल चायल, लक्ष्मण सिंह शेखावत, ताराचंद भगत, बजरंग लाल जांगिड़, भगवती देवी, भंवरलाल पंच, मनीष जांगिड़, समाजसेवी रघुवीर मील, बनवारी लाल, पंकज कुमारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आगाज किया।

संक्षिप्त

पुण्यतिथि मनाई

झुंझुनूं, गांधी चौक स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले सभागृह फौज का मोहल्ला में महिला शिक्षा के जनक महात्मा ज्योतिबा फुले की 135वीं पुण्यतिथि मनाई गई। जिला सैनी समाज संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद प्रदीप कुमार सैनी थे। अध्यक्षता पार्षद मनोज सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि पार्षद विजय सैनी, पार्षद ताराचंद खडोलिया, बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष नगेंद्र सैनी थे। मुख्य अतिथि प्रदीप सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले भारत रत्न के हकदार हैं। भारत सरकार को योग्यता के आधार पर भारत रत्न प्रदान करना चाहिए। महात्मा फुले उस जमाने में शिक्षा के द्वारा दलितों के खोले, जिस समय उनके लिए शिक्षा संभव ही नहीं थी। कार्यक्रम में पार्षद विजय सैनी ने बताया कि लोकतंत्र में आज शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार सबको है। उसका श्रेय फुले दंपत्ति को जाता है। पुण्यतिथि कार्यक्रम में रणधीर कारोडिया, पेंशन समाज के जिला महामंत्री चंद्रप्रकाश, वरिष्ठ अध्यापक सुरेश कुमार सैनी, वीरेंद्र सिंह सैनी, केहर सिंह तोमर, आकाश कुमार सैनी, दिनेश सैनी बड़ागांव आदि ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला। संचालन संजय सिंगोदिया ने किया।

सभापति जीवन खां का सम्मान किया

सीकर । सीकर प्रेस क्लब में गुरुवार को 89.6 एफएम सीकर और दैनिक उद्योग आसपास के संयुक्त तत्वावधान में अभिनंदन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 10 साल बेमिसाल सीकर नगर परिषद के पूर्ण होने पर पत्रकारों द्वारा सभापति जीवन खां का साफा व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। सीकर प्रेस क्लब अध्यक्ष हुलास तिवाड़ी, दैनिक उद्योग आसपास के एम डी कार्तिकेय शर्मा, 89.6 एफएम डायरेक्टर डॉ अमित माथुर ने बताया कि सभापति जीवन खां की देखरेख में शहरी सरकार की ओर से नवलगढ़ रोड पर पानी निकासी, मुख्य सर्किलों के सौन्दर्यकरण समेत कई उल्लेखनीय कार्य किए गए, जिसकी बदौलत सीकर में विकास कार्य नई ऊंचाइयों तक पहुंच पाया। इस दौरान पत्रकारों ने सभापति जीवन खां को प्रशस्ति पत्र देकर आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं संरक्षक सीकर प्रेस क्लब तेज प्रकाश सैनी, संरक्षक रमेश शर्मा,सूचना एवं जन संपर्क उपनिदेशक पूरणमल, सीकर प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष सच्चानंद, आर जे संदीप, शांतनु सहाय, फूल सिंह निर्वाण, आर जे सूरज, रहीश, जावेद, राजेंद्र गहलोत, ज्ञान सिंह, लक्ष्मीकांत जोशी, रफीक, डी पी माथुर, पवन सोनी समेत तमाम पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आर जे ग्रेसी ने किया।

पुलिस व ग्रामीणों के बीच विवाद

सूरजगढ़, ।थाना क्षेत्र के भुडनपुरा पंचायत के परसा का बास में शराब का अवैध कारोबार करने वाले को पकडने गई पुलिस व ग्रामीणों के बीच हुए विवाद को लेकर चौथे दिन ग्रामीणों का थाने पर चल रहे धरने पर पहुंचे भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया की अगुवाई में एसपी देवेंद्र सिंह राजावत, डीएसपी विकास धींधवाल से वार्ता की गई। जिसमें ग्रामीणों की ओर से रखी मांग को मानते हुए एक महिला व दो पुलिसकर्मियों को लाइन भेज दिया गया है। राजेश दहिया ने बताया कि तीन पुलिसकर्मियों को लाइन भेज दिया गया है। मुकदमे की अन्य अधिकारी से मुकदमे की जांच करवाने, पीड़ित की ओर से एफआईआर दर्ज करने की मांगे मान ली गई है और धरना समाप्त कर दिया गया। प्रतिनिधि मंडल में बसपा चूरू जिलाध्यक्ष देईराम मेघवाल, कैलाशदास महाराज सारी, धर्मपाल गांधी, एडवोकेट हवासिंह चौहान, सरपंच प्रतिनिधि सुनील बिजारणियां जाखोद, संदीप पाटिल, राजवीर खुड़ी शामिल रहे। इससे पूर्व पिलानी विधायक पितराम काला ने भी धरने को संबोधित किया। पुलिस की तरफ से दर्ज मुकदमे व ग्रामीणों की ओर से राजेश की ओर से दर्ज हुई एफआईआर की जांच चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल जांच कर रहे हैं।

प्रदर्शन आज

झुंझुनूं, ।विद्युत निगमों के निजीकरण के विरोध में राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति की आ ान पर शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर पर कार्य बहिष्कार कर ज्ञापन प्रस्तुत किया जाएगा। विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति झुंझुनूं जिला की बैठक गुरुवार को अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में आयोजित हुई। जिसमें सुरेश कुमार शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को जिले के सभी विद्युत कार्यालय से अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर पर सुबह 11 बजे एकत्रित होकर कार्य का बहिष्कार करेंगे

शिविर का हुआ आयोजन

खेतड़ी,(निसं) खेतड़ी उपखंड के जसरापुर में गुरूवार को बिजली विभाग की ओर से बकाया वीसीआर निस्तारण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 32 मामलों का निस्तारण कर 1.56 लाख रुपए वसूल किए गए। नीमकाथाना नोडल अधिकारी सुभाष मीणा ने बताया कि सहायक अभियंता कार्यालय खेतड़ी टाउन के अधिनिष्ठ कनिष्ठ अभियंता कार्यालय जसरापुर में शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में पुराने बकाया प्रकरणों का आपसी समझाइए कर सहमति से निस्तारण करवाए गए। विभाग की ओर से लगाए गए शिविर में 32 मामले सामने आए। जिस पर 18 उपभोक्ताओं के तीन लाख 80 हजार के प्रकरण की सुनवाई करते हुए 1.56 लाख राजस्व रिकवरी की गई है। खेतड़ी टाउन उपखंड में 2685 उपभोक्ताओं ने 6.17 लाख तथा 1198 उपभोक्ताओं 1.89 लाख से अधिक की राशि बकाया चल रही है। जिसको लेकर जल्द ही आमजन से समझाइश कर उनका निस्तारण किया जाएगा।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

डूंडलोद, । स्थानीय डूंडलोद विद्यापीठ के अंतर सदन खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के सालाना आयोजन शरदोत्सव-2024 के तहत गुरूवार को अंतर सदन सांस्कृतिक प्रतियोगिता शुरू हुई। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेट जनरल एसपीएस कटेवा थे। जबकि अंतरराष्ट्रीय राइफल शूटिंग के नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी दीपेंद्र सिंह शेखावत विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ थे। अपने उद्बोधन में लेफ्टिनेंट जनरल कटेवा ने कहा कि हर छात्र में भगवान ने कुछ ना कुछ प्रतिभाएं दी है। जिन्हें तराशने का काम अध्यापकों को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के जितने भी प्लेटफॉर्म है। उनमें अच्छाई और बुराई दोनों हैं। छात्राओं को अपने हित में इसका रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। जनरल कटेवा ने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि अपने बच्चों पर अनावश्यक दवाव ना डाले। बल्कि बच्चों की प्रतिभा के अनुरूप उन्हें आगे बढने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि छात्रों को असफलता से निराश होने की बजाय उससे कुछ सीखते हुए उत्तरोतर कड़ी मेहनत के साथ आगे बढते रहना चाहिए।

इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य सतीशचंद्र कर्नाटक ने स्वागत भाषण दिया। संस्था उपाध्यक्ष डॉ. केडी यादव, सचिव मुकेश पारीक, संयुक्त सचिव सीताराम जीनगर एवं प्रबंध समिति सदस्य हुसैन खान ने सुमनमाल पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। छात्र-छात्राओं ने एकल युगल, गायन एवं सामूहिक नृत्य तथा अंग्रेजी नाटक के माध्यम से एक से बढकर एक प्रस्तुतियां दी। राजपाल सिंह, यादवेंद्र सिंह राठौड़ एवं जयपाल सिंह वाले तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए निर्णय के आधार एकल नृत्य (सीनियर) विवेकानंद सदन प्रथम, रामकृष्ण सदन दूसरे, मीरा सदन तीसरे स्थान पर रहे। युगल नृत्य (जूनियर) गुरूनानक सदन प्रथम, बुद्धा सदन दूसरे, कबीर सदन तीसरे स्थान पर रहे। सामूहिक नृत्य (सीनियर) मीरा सदन प्रथम, रामतीर्थ सदन दूसरे, विवेकानंद सदन तीसरे स्थान पर रहे। एकल नृत्य (जूनियर) कबीर सदन प्रथम, सप्तऋर्षि एवं गुरूनानक सदन दूसरे एवं बुद्धा सदन तीसरे स्थान पर रहे। युगल नृत्य (सीनियर) विवेकानंद सदन प्रथम, रामकृष्ण सदन दूसरे, रामतीर्थ सदन तीसरे स्थान पर रहे। देशभक्ति सामूहिक गीत (सीनियर) रामकृष्ण सदन प्रथम, मीरा सदन दूसरे, रामतीर्थ सदन तीसरे स्थान पर रहे।

मूर्ति अनावरण समारोह 5 दिसंबर को

गुढ़ागौड़जी, । भोड़की गांव में जाखड़ रोड स्थित शहीद स्मारक पर पांच दिसंबर गुरुवार को देश के लिए शहादत देने वाले एनएसजी कमांडो शहीद रामचंद्र मीणा की मूर्ति अनावरण समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शहीद परिवार के किशोरीलाल, राकेश कुमार, सावित्री कुमारी व पीडब्ल्यूडी अधिकारी अमीचंद मीणा ने बताया कि झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राज्य मंत्री प्रेम सिंह बाजौर मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व राज्य मंत्री भूदान बोर्ड के अध्यक्ष रामनारायण नागवा, एनएसजी टीम कमांडर निरंजनलाल, सहायक कमांडर संदीप श्योराण, झुंझुनूं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अनिल पूनियां, स्पेशल अनुसंधान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फूलचंद , आदी का सम्मान किया जाएगा।

सार-समाचार

राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट आज

झुंझुनूं, । जिले के प्रभारी मंत्री शुक्रवार को बगड़ के चावो वीरो ट्रस्ट में आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। गौरतलब है कि राज्य में तीव्र औद्योगिक विकास के लिए राज्य स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्ट समिट 2024 का आयोजन नौ से 11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व प्रत्येक जिले में भी जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्ट समिट का आयोजन किया जाना है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला प्रशासन, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र तथा रीको इकाई कार्यालय द्वारा 29 नवंबर को जिला स्तरीय समिट चावो वीरो ट्रस्ट बगड़ में आयोजित किया जाएगा। जिसमें विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने वाले उद्यमियों के साथ एमओयू की कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि अभी तक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र झुंझुनूं द्वारा 71 इकाइयों से एमओयू के लिए सहमति ली जा चुकी है। जिससे जिले में 1440 करोड़ का निवेश तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 8000 व्यक्तियों को रोजगार सृजित होगा। राज्य स्तर पर विभिन्न विभाग एवं ब्यूरो ऑफ इनवेस्ट प्रोमोशन द्वारा 51 एमओयू हस्ताक्षिरत किए गए है। जिससे जिले में 38 हजार करोड़ का निवेश तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख लोगों को रोजगार सृजित होगा। इस प्रकार से जिले में लगभग 39 हजार 400 करोड़ रूपए का निवेश एवं एक लाख 10 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सुलभ होंगे। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अभिषेक चोबदार ने बताया कि एमओयू किए जाने वाली मुख्य मुख्य इकाइयों में एसीसी लिमिटेड व एसीसी सीमेंट प्रालि द्वारा 3500 व 300 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा। स्टॉकवेल सोलर सर्विसेज द्वारा 3750 करोड़ व डेटन नेचुरल रिसोर्सेज प्रालि द्वारा 4500 करोड़ रुपए का निवेश सौर ऊर्जा क्षेत्र में किया जाएगा। सखी महिला मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड द्वारा वृहद् स्तर की डेयरी की स्थापना की जाएगी। जिसमें लगभग 550 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

सूरजगढ़ थानेदार व नौ पुलिसकर्मियों पर मकदमा दर्ज

सूरजगढ़, । थाना क्षेत्र के भुडनपुरा पंचायत के परसा का बास में शराब का अवैध कारोबार करने वाले को पकड़ने गई पुलिस व ग्रामीणों के बीच हुए विवाद को लेकर चौथे दिन ग्रामीणों का थाने पर चल रहे धरने पर पहुंचे भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया की अगुवाई में एसपी देवेंद्र सिंह राजावत, डीएसपी विकास धींधवाल से वार्ता की गई। जिसमें ग्रामीणों की ओर से रखी मांग को मानते हुए थानेदार सुखदेव सिंह व नौ पुलिसकर्मियों सहित शराब ठेकेदार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसके अलावा एक महिला व दो पुलिसकर्मियों को लाइन भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार थानेदार सुखदेवसिंह, हैड कांस्टेबल धर्मवीर, हैड कांस्टेबल भीम कौर, हैड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, कांस्टेबल धर्मेंद्र, विजेंद्र, घनश्याम, अमित कुमार, नवीन कुमार, प्रवीण कुमार सहित शराब ठेकेदार बिल्लू गढ़वाल पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा हैड कांस्टेबल भीम कौर, घनश्याम व अमित कुमार को लाइन में भेज दिया गया है। पुलिस की ओर से हवासिंह मेघवाल सहित उनके परिवार व रिश्तेदारों पर किए गए मुकदमे की जांच चिड़ावा के सीआई विनोद सामरिया करेंगे। वहीं ग्रामीण राजेश कुमार की ओर से पुलिस कर्मियों के खिलाफ हुई एफआईआर की जांच चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल करेंगे। राजेश दहिया ने बताया कि ग्रामीणों की मांग मान ली गई है। धरना समाप्त कर दिया गया है। प्रतिनिधि मंडल में बसपा चूरू जिलाध्यक्ष देईराम मेघवाल, कैलाशदास महाराज सारी, धर्मपाल गांधी, एडवोकेट हवासिंह चौहान, सरपंच प्रतिनिधि सुनिल बिजारणियां जाखोद, संदीप पाटिल, राजवीर खूड़ी शामिल रहे। इससे पूर्व पिलानी विधायक पितराम काला ने भी धरने को संबोधित किया।

हिंदुस्तान कॉपर प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया

खेतड़ी,(निसं) केंद्रीय खान मंत्री गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर झुंझुनूं जिले के खेतड़ीनगर आए। इस दौरान उन्होंने खेतड़ी कॉपर प्रोजेक्ट का निरीक्षण कर 800 केवी सोलर प्लांट का उद्धघाटन भी किया गया। केंद्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी केसीसी के नेहरू मैदान में साढ़े 11 बजे हैलीकॉप्टर से पंहुचे।

इसके बाद वह खेतड़ीनगर स्थित कॉपर प्रोजेक्ट में पंहुचे। इस दौरान उन्होंने स्मेलटर प्लांट, कंस्नटेटर प्लांट का निरीक्षण किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री रेड्डी छह माह पूर्व कोलिहान खदान में हुए हादसे का निरीक्षण करने पहुंचे। कोलिहान खदान में 13 मई को लिफ्ट टूटने से हादसा हो गया था। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने हादसे के बारे में जानकारी लेकर आगामी कार्य के दौरान सबक लेकर नई तकनीक के जरिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि कोलिहान माइंस हादसे को लेकर केंद्र सरकार की ओर से महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। हादसे से सबक लेते हुए आगामी समय में नई तकनीक को लेकर काम किया जा रहा है। यह सबसे पुराना प्रोजेक्ट है। इसमें कार्य को सुचारू बनाने के लिए विदेशी तकनीकी के उपयोग को लेकर रणनीति बनाई जा रही है। देश में कॉपर की बहुत ज्यादा डिमांड है तथा आने वाले समय में यह डिमांड ओर भी बढ़ेगी। केंद्र सरकार का विजन है कि दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना है, जिसके लिए हर सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

आगामी 25 साल में देश को विकसित बनाए जाने के लिए प्रत्येक सेक्टर को मजबूत बनाया जा रहा है। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड संयंत्र को लेकर दो भी समस्याएं सामने आ रही है उनके बारे में जानकारी जुटाकर जल्द ही बेहतर कार्य किया जाएगा। एचसीएल के विकास, प्रोडक्शन को बढ़ावा देने, कर्मचारी हितों को लेकर दिल्ली में एक बैठक कर आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने बताया कि यह हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड एशिया का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। तांबे की क्वालिटी सबसे बेहतर होने के बावजूद भी प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। प्रोजेक्ट को बंद करने में कांग्रेस सरकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्थानीय लोगों को रोजगार का सबसे बड़ा संस्थान था, जिसके बंद होने से आज रोजगार का संकट पैदा हो रहा है। प्रदेश व केंद्र में भाजपा की सत्ता होने से आमजन की उम्मीद इस प्रोजेक्ट को लेकर बनी हुई है।

राशन दिलाने के लिए सौंपा ज्ञापन

झुंझुनूं, सहयोग एक पहल संस्थान अध्यक्ष युवा सामाजिक कार्यकर्ता डीपी सैनी सिंघाना ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा योजना लाभार्थियों के परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होने के कारण डीलर द्वारा राशन नहीं दिया जा रहा है। इसके लिए जिला कलेक्टर झुंझुनूं को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। इसमें खाद्य सुरक्षा योजना लाभार्थी परिवारों को राशन दिलाने के लिए विभिन्न मांगे रखी गई। परिवार के किसी एक भी सदस्य के घर से दूर होने के कारण ई-केवाईसी संभव नहीं हो पा रही है। इस कारण से संपूर्ण परिवार का राशन बंद कर देना उचित नहीं है। केवाईसी के कारण लगभग 40 प्रतिशत से अधिक परिवार इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं और राशन के अभाव में परेशान हो रहे हैं। इस बाबत खाध सुरक्षा योजना लाभार्थी परिवार के ई-केवाईसी के लिए पोर्टल पर ई-केवाईसी का ऑप्शन खोला जाए ताकि घर से दूर गए सदस्य का ई-केवाईसी की जा सके। संपूर्ण परिवार की ई-केवाईसी नहीं होने पर परिवार के केवाईसी पूर्ण हो चुके सदस्यों को राशन दिया जाए। खाद्य सुरक्षा लाभार्थियों को सब्सिडी पर गैस सिलेंडर देने के लिए गैस कनेक्शन की मैपिंग की जा रही है। इसे भी आधार ओटीपी सिस्टम पर केवाईसी शुरू की जाए। ई-केवाईसी के लिए परिवारों के सभी सदस्यों की केवाईसी पूर्ण होने के समयावधि को बढ़ाया जाए और लाभार्थी परिवारों को अविलंब राशन देना शुरू किया जाना चाहिए।

त्रिपाठी व सिखवाल का सेवा फाउंडेशन ने किया सम्मान

सीकर। स्थानीय आनंद नगर निवासी वरिष्ठ एडवोकेट एस एन सिखवाल के निवास पर सादिक सेवा फाउंडेशन की ओर से परिवार के सभी सदस्यों के अधिवक्ता बनने पर अधिवक्ता परिवार को बधाई देने के लिए जन्मदिन पर नोटरी पब्लिक मुकेश कुमार सिखवाल व पुत्रवधू तृप्ति त्रिपाठी सीकर जिला अध्यक्ष सी सी आई सचिव जिला उपभोक्ता जागरण समिति वस्तुओं और सेवाओं के उपभोक्ता को उसके अधिकारों के बारे में जागरूक पत्रिका संपादक उपभोक्ता प्रहरी में लम्बे समय से एक कार्यकर्त्ता के रूप में अपनी जिमेदारी को बखूबी निभने के साथ समाजिक सरोकारों में महती भूमिका अदा करने के साथ कभी चूल्हे-चौके तक सीमित रहने वाली जिले की महिला अब एडवोकेट विधि परीक्षा के परिणाम में सफलतापूर्वक सफलता अर्जित करने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया।

इस मौके पर फाउंडेशन के पदाधिकारी ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दांपत्य परिवार को बधाई देते हुए दिल की गहराइयों से हरदिल अजीज समाजिक कार्यकर्ता समाज सेवा में समर्पित को शुभकामनाएं दीं।

एडवोकेट के फाइनल रिजल्ट में सफलता प्राप्त करना एक अद्भुत उपलब्धि है ! अधिवक्ता बनने के लिए आपकी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प को सलाम !आपकी इस उपलब्धि पर गर्व होना स्वाभाविक है ! आपके परिवार, मित्र और शुभचिंतकों के लिए यह एक गर्व का क्षण होगा।अब आप कानून के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और लोगों की सेवा करेंगे। आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं ! एक महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरा पद है, जिसमें आप लोगों की कानूनी और वित्तीय जरूरतों में मदद करेंगे।

आपकी मेहनत और समर्पण को सलाम ! यह पद प्राप्त करने के लिए आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं !अब वहां जाएं और महान कार्य करें ! हमें आपकी यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है और हम आपको पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

इस मौके पर एडवोकेट एस एन सिखवाल अध्यक्ष जिला उपभोक्ता जागरण समिति एडवोकेट मुकेश सिखवाल विधिक सलाहकार राजकुमार शर्मा तृप्ति त्रिपाठी सचिव एडवोकेट अर्चना सरोज शर्मा त्रिजल चार्वी संदीप सिंह शेखावत मोजूद रहे।

दहेज़ प्रथा का किया बहिष्कार

चूरू, (का.सं.)। एक बार फिर अनोखी पहल देखने को मिली। वरिष्ठ अध्यापक सीताराम खरोड़ के सुपुत्र आयुष खरोड़ की बारात अग्रसेन नगर से डाबला रोड़ए,वार्ड नं 46 के बीरबलराम लुगरिया के घर पहुँची। जहाँ रीति.रिवाजों से दूल्हे आयुष व दुल्हन ममता परिणय सूत्र में बंधे। धानक समाज के संरक्षक सीताराम लुगरिया की प्रेरणा से वर पक्ष ने दहेज व नगदी लेने से साफ.साफ इनकार कर दिया और कहा की आपकी बेटी ही हमारे घर की असली दौलत है। इसे स्वीकार करते हुए वधू पक्ष की तरफ नगदी की जगह सगुन के तौर पर एक चांदी का सिक्का देकर रस्म निभाई और समाज को संदेश दिया की सभ्य समाज में बिना दहेज के शादी करना अत्यंत आवश्यक है। दहेज़ एक सामाजिक अभिशाप है जिसे देने के लिए एक लड़की के पिता को क्या.क्या कैसे.कैसे करना पड़ता है। इस अवसर पर संरक्षक सीताराम लुगरिया ने कहा की पिछले कई सालों से हमारे परिवार में जो भी शादियां हुई है उनमें हमनें दहेज व नगदी का लालच ना करते हुए वधू को ही वास्तविक धन माना है। इस अवसर पर लुगरिया ने सभी से बिना दहेज व बिना नगदी के शादी करने का आव्हान किया। इस अवसर पर कबीर शिक्षा समिति के महासचिव गुरु धानका ने दहेज़ प्रथा को समाज के लिए बहुत बड़ा अभिशाप बताया। धानका ने सभी युवाओं से बिना दहेज व नगदी के बगैर शादी करने कि अपील की।

संख्याक-6
न्यायालय जिला न्यायाधीश महोदय, झुंझुनूं
शिवशंकर बनाम अरूणा शर्मा वगैरह
प्रेषितः-1. संगीता पुत्री भवानीशंकर, 2.यमुना पुत्री भवानी शंकर, निवासीगण गुढागौड़जी तहसील गुढ़ागौड़जी, जिला झुंझुनूं
दावा बाबत- अपील
अपील नं. 32/2023
सिविल न्यायाधीश उदयपुरवाटी के निर्णय 3/6/2023
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में नकल संलग्न है कि डिक्री की अपील अपीलांटस द्वारा उपस्थापित की गई है और इस न्यायालय में दर्ज रजिस्टर कर ली गई है। और इस अपील की सुनवाई के लिए समय 10.00 बजे इस न्यायालय द्वारा तारीख 06/01/2025 नियत की गई है। यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपका प्लीडर या आपके कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा, तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चत की जायेगी। यह आज तारीख 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी की गई।
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश
संख्या-1, झुंझुनूं

उद्घोषणा
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश महोदय, क्रम सं. -1. राजगढ जिला चूरू
प्रा.पत्र संख्या 13 सन 2024
रामेश्वरी देवी आयु 72 साल पत्नी ओमप्रकाश थोरी पुत्री रामप्रसाद जाति जाट निवासी गालड़ तहसील सिद्धमुख जिला चूरू हाल फ्लेट नं. 204, डी-ब्लॉक, ग्रीन लॉट्स ऐवेन्यू, चंडीगढ़ अम्बाला हाईवे, जिरकपुर एस.ए.एस. नगर, मोहाली (पंजाब) -140603, मो.नं. 9413566009
बनाम -वादीनी
1. सर्वसाधारण
2. मुकेश पुत्र गोपालराम थोरी जाति जाट निवासी गालड़ तहसील सिद्धमुख जिला चूरू
3. विक्रम सिंह पुत्र ओमप्रकाश थोरी जाति जाट निवासी गालड़ तहसील सिद्धमुख जिला चूरू हाल फ्लेट नं. 204, डी- ब्लॉक, ग्रीन लॉट्स ऐवेन्यू, चंडीगढ़ अम्बाला हाइवे जिरकपुर एस.ए.एस. नगर, मोहाली (पंजाब)
4. बडोदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शाखा गालड़ तहसील सिद्धमुख जिला चूरू जरिए शाखा प्रबंधक
-प्रतिवादीगण
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि उपरोक्त वादीनी ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र पेश किया है कि मृतक ओम प्रकाश थोरी पुत्र श्योजीराम जाति जाट निवासी गालड़ तहसील सिद्धमुख जिला चूरू की उत्तराधिकारी होने का प्रमाण पत्र इस आशय का प्रदान किया जावे कि मृतक ओम प्रकाश थोरी का बडोदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शाखा गालड़ तहसील सिद्धमुख जिला चूरू में स्थित खाता सं. 48860100000319 में जमा राशि वादीनी मृतक की उत्तराधिकारी है जिसका उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किया जावे।
उक्त वाद पत्र की स्वीकृति में यदि कोई आपति हो तो इस न्यायालय में दिनांक 16.12.2024 को उपस्थित होकर अपनी आपति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 28-11-2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय. की मुद्रा से किया गया।
मोहर अदालत
न्यायाधीश
अपर जिला न्यायाधीश क्रम सं.-1
राजगढ (चूरू)

जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली मिनी जंबूरी का हुआ उद्घाटन

झुंझुनूं, । राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली मिनी जंबूरी का आयोजन 28 नवंबर से दो दिसंबर तक स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं पर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें संपूर्ण जिले से 10 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के 1500 से अधिक स्काउट गाइड विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ-साथ लोकगीत, लोक नृत्य, टैलेंट शो, एसडीजी प्रोजेक्ट, साहसिक गतिविधियां, प्रदर्शनी एवं अपनी विभिन्न कलाओं का रंग बिखेरेंगे।

मिनी जंबूरी के दौरान विशाल कैंप फायर, झांकी प्रदर्शन, स्काउट गाइड गेट, फूड प्लाजा, एथेनिक शो, विचित्र वेशभूषा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। मिनी जंबूरी का शुभारंभ झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू के मुख्य आतिथ्य में कियाग या। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने अध्यक्षता की। एडीएम डॉ. अजय कुमार आर्य, राज्य सचिव स्काउट डॉ. पीसी जैन, राज्य संगठन आयुक्त पूरन सिंह शेखावत, राजस्थान के विशिष्ट आतिथ्य में ध्वजारोहण के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान स्काउट गाइड द्वारा राजस्थानी संस्कृति से ओत प्रोत विभिन्न प्रकार के राजस्थानी गीतों के की सुमधुर ध्वनियों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जिसे दर्शकों ने सराहा। इस अवसर पर अतिथियों को स्काउट्स गाइड्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा जीबी मोदी पब्लिक स्कूल झुंझुनूं द्वारा बैंड सलामी दी गई तथा बिरला बालिका विद्यापीठ पिलानी द्वारा बंद की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं का चारित्रिक, नैतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। यहां पर दी गई शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के लिए सुयोग्य नागरिक तैयार किए जाते हैं। क्योंकि जरुरत पड़ने पर देश सेवा को समर्पित रहते हैं।

विधायक भांबू ने अपनी ओर से विधायक कोटा से स्काउट गाइड कार्यालय में विकास कार्य के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की एवं मिनी जंबूरी में भाग लेने सभी स्काउट गाइड्स को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर रामावतार मीना ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से छात्र-छात्राओं में अनुशासन का भाव उत्पन्न होता है। जिसके माध्यम से समाज में रचनात्मक कार्य किया जा रहे हैं जो की उत्कृष्ट स्तर के होते हैं। सरकार की योजनाओं के प्रचार प्रसार से लेकर मेले, त्योहार, आपदा के समय भी स्काउट गाइड द्वारा उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य किए जाते हैं। इस दौरान राज्य सचिव डॉ. पीसी जैन ने कहा कि स्काउट गाइड संगठन विश्व का सबसे बड़ा वर्दीधारी संगठन है। जो कि देश दुनिया के 240 से अधिक देशों एवं उप निवेशों में संचालित है। डॉ. जैन ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से राजस्थान प्रदेश में जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, पॉलीथिन उन्मूलन, वृद्धजन सेवा, सडक सुरक्षा जैसे विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं।

जो की राजस्थान प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। डॉ. जैन ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से बालक बालिकाओं में सुयोग्य नागरिकता के गुण आते हैं। इस अवसर पर राज्य संगठन आयुक्त पूरन सिंह शेखावत राजस्थान प्रदेश ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग के माध्यम से विद्यालय स्तर की गतिविधियों में उत्कृष्ट स्तर का सहयोग मिलता है। विद्यालय में होने वाले आयोजन भव्यता के साथ संपन्न होते हैं। स्काउट गाइड्स के सर्टिफिकेट्स जिसमें राज्य पुरस्कार, राष्ट्रपति अवार्ड अपने आप में मायने रखते हैं। जिन्हें राज्यपाल एवं राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से स्काउट गाइड को प्रदान किए जाते हैं।

28 नवंबर से दो दिसंबर तक स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं पर आयोजित किया जा रहा है।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.12.2024 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
चूरू, चूरू राजस्थान, 135110700011042, सरदार शहर, 135720730026532, 6536, 6742, 6755, सुजानगढ, 135090700014889, हनुमानगढ, बाबा शाम सिंह कॉलोनी, 117270700058036, 117270730039070, नोहर राजस्थान, 135640700027842, 8749, पिलीबंगन, 135180700032524, 2564, 2660, 2670, 135180750000027, नागपुर , लाडनूं, 137990700001414, 1612, 1616, 137990730012704, 4585, 4586, 6054, सीकर, बजाज रोड सीकर, 111830730083969, 4688, फतेहपुर राजस्थान, 135330700012002, 2010, 2016, 135330780000061,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

सरकारी स्कूल की पुरानी दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत

मौके पर मौजूद लोगों ने मजदूरों को बाहर निकालने के लिए मलबा हटाया

- पोषाणा गांव के राउमावि में समग्र शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण के लिए पुरानी चारदीवारी के पास जेसीबी की सहायता से नींव खोदी गई थी
- गुरूवार सुबह सात मजदूर नींव से मिट्टी निकालकर समतल करने का कार्य कर रहे थे, इस दौरान हादसा हुआ, एक मजदूर घायल

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के पोषाणा गांव में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की पुरानी दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सूचना पर सायला तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी एवं थानाधिकारी महेन्द्रसिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों के सहयोग से बचाव कार्य शुरू किया। मौके पर मौजूद लोगों ने मजदूरों को बाहर निकालने के लिए मलबे को हटाने का काम शुरू किया, लेकिन मलबे में दबे वीरमाराम (40 साल) पुत्र चेनाराम जाट निवासी कंगाउ जिला बाड़मेर, मोहनलाल (23) पुत्र रतनाराम जाट निवासी लालजी की डुंगरी जिला सांचौर एवं भैराराम (40) पुत्र भूराराम राव निवासी धनाऊ जिला बाड़मेर की मौत हो गई, जबकि जगदीश (20) पुत्र भूराराम राव निवासी धनाऊ जिला बाड़मेर गंभीर घायल हो गया। घायल को एंबुलेंस की सहायता से सायला हॉस्पीटल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे रेफर कर दिया जबकि मृतकों के शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सायला की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। देर शाम तक मृतकों के शव का पोस्टमार्टम नही हो पाया था।

जानकारी के अनुसार पोषाणा गांव के राउमावि में समग्र शिक्षा अभियान के तहत भवन निर्माण के लिए बुधवार को विद्यालय की पुरानी चारदीवारी के पास जेसीबी की सहायता से 4 फीट गहरी नींव खोदी गई थी। गुरूवार सुबह 8:10 बजे के लगभग 7 मजदूर नींव से मिट्टी निकालकर समतल करने का कार्य कर रहे थे। जिसमें से 4 मजदूर नींव में उतरकर मिट्टी निकाल रहे थे। जबकि 3 मजदूर बाहर से मिट्टी हटा रहे थे। इस दौरान स्कूल की पुरानी दीवार के नीचे से मिट्टी ढह गई और करीबन 50 फीट लम्बी दीवार गिर गई, जिससे नींव में उतरे चार मजदूर मलबे में दब गए, जिनमें से तीन की मौके पर मौत हो गई और एक गंभीर घायल हो गया।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत विद्यालय में 30 लाख की लागत से एक कमरा तथा पुस्तकालय का निर्माण का कार्य स्वीकृत हुआ था। जिस पर प्रधानाचार्य एवं कनिष्ठ अभियन्ता के लेआउट के अनुसार कार्य किया जाना था, लेकिन ठेकेदार द्वारा गुरूवार को प्रधानाचार्य की गैर-मौजूदगी में कार्य शुरू करवाया गया। प्रधानाचार्य गत 21 नवम्बर से विद्यालय से अनुपस्थित चल रहे हैं।

सायला पुलिस थाना क्षेत्र के पोषाणा गांव में विद्यालय की पुरानी दीवार गिरने के बाइ दबे मजदूरों को बाहर निकाला।

किसान बांध में डूबा, नहीं लगा कोई सुराग

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के जानबाज का बंधा में डूबे किसान का 28 घंटे बाद भी शव नहीं नहीं मिला। इसके चलते परिजनों का भी हाल-बेहाल है। किसान को तलाशने के लिए टीम जुटी हुई है।

सदर थाना प्रभारी बृजमोहन कविया ने बताया कि गोल डूंगरी निवासी सायर लाल उम्र 40 साल चंदू कीर को तलाश किया जा रहा है। वह 27 नवम्बर प्रात: 11 बजे खेत पर जा रहा था। जिसका पैर जानबाज का बंधा की पाल से गुजरते समय फिसल गया, इससे वह बंधे में जा गिरा। वह डूबने लगा तो वह चिल्लाया, उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर एक राहगीर दौड़ा आया, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही सायर कीर पानी में डूब गया। जिसकी सूचना ग्रामीणो ने पुलिस को दी, जहां मौके पर पुलिस ने पहुंचकर बचाव टीम ने उसे तलाशना शुरू किया, पर बुधवार शाम तक भी उसका कोई पता नहीं लगा, फिर टीम ने उसका रेसक्यू अंधेरा होने से बंद कर दिया। गुरुवार सुबह फिर से टीम सायर को तलाशने में जुटी है, लेकिन दोपहर करीब तीन बजे तक भी वह नहीं मिला है। सायर के रिश्तेदार दूनी गौशाला के सचिव ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि सायर का परिवार गरीब है, उसके दो बेटियां और एक बेटा है। सायर खेतीबाड़ी और मजदूरी कर परिवार का लालन-पालन करता था।

नरेश मीणा प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

- सीआईडी ने राजकार्य में बाधा डालने के मामले में कार्रवाई की

टोंक, (निसं)। समरावता में गत दिनों हुए थप्पड़काण्ड के आरोपी व देवली-उनियारा निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को 28 नवम्बर को सीआईडी सीबी ने प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर पूछताछ की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समरावता में गत दिनों हुए बवाल को लेकर जेल में बंद रहे नरेश मीणा को बुधवार को जिला करावास से सीआईडी सीबी ने प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। बाद में उसे कोतवाली लाकर बारां जिले के अटरू थाना क्षेत्र में राजकार्य में बाधा डालने आदि के मामले में पूछताछ की तथा उसे वीडियो कॉन्फ्रेस के जरिये अटरू कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 7 दिसंबर तक जेल भेज दिया गया, कोर्ट के आदेश पर उसे शाम को फिर से जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार गत 13 नवंबर को मतदान के दिन निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा ने मतदान बहिष्कार के बाबजूद तीन जनों के जबरन वोट दिलाने के मामले को लेकर एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था।

उदयपुर के पूर्व राजपरिवार में छिड़ा विवाद थमा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के पूर्व राजपरिवार में राजतिलक की रस्मों को लेकर छिड़ा विवाद थम गया है, लेकिन सिटी पैलेस का गेट गुरुवार को लगातार चौथे दिन बंद रहा । यहां घूमने आने वाले सैलानियों को निराश लौटना पड़ रहा है। पुलिस ने जगदीश चौक के सामने से बैरिकेड्स और जालियां हटवा ली हैं। पिछले तीन दिन सिटी पैलेस से लेकर जगदीश चौक तक की बंद दुकानें आज खुल गई ।

जगदीश मंदिर से लेकर सिटी पैलेस तक के 500 मीटर के दायरे में आने वाली 70 से ज्यादा दुकानों के बाहर सन्नाटा पसरा है। ऐसे में व्यापारियों के चेहरे पर मायूसी है। उदयपुर कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने आदेश जारी कर सिटी पैलेस इलाके लगी धारा 163 हटा ली है। इसके बाद दोबारा रौनक लौटने की उम्मीद है। नवंबर और दिसंबर का समय टूरिस्ट के लिहाज से पीक सीजन रहता है। इन 2 महीनों के दौरान उदयपुर आने वाला लगभग हर टूरिस्ट सिटी पैलेस घूमने जरूर आता है। यहां रोजाना लगभग 5 हजार पर्यटक सिटी पैलेस घूमने आते हैं। सिटी पैलेस के स्टाफ के अनुसार 4 दिनों में सिटी पैलेस को टूरिज्म से होने वाले रेवेन्यू में 40.50 लाख का नुकसान हुआ है।

उल्लेखनीय है कि 25 नवंबर को चित्तौड़गढ़ में उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ के राजतिलक की रस्म हुई थी।

RajCOMP Info Services Limited (RISL)
C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

NIB No./ Date/ Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost/ EMD	Start of sale /Last date
NIB No. : F4.3(618)/ RISL/Tech/2024/6475 Dated 26/11/2024 RIS2425SLRC00055	Short Term Request for Proposal (RFP) for Development and FMS of Web Portals & Websites in AEM.	Cost : 8 Crore EMD : 16 Lakh	26/11/2024 To 06/12/2024

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाईट पर सम्पर्क करें – http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in.
Raj.Samwad/C/24/8437 System Analyst (Jt. Director)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड नैनवां
क्रमांक : 1184 दिनांक : 23.11.2024
निविदा सूचना संख्याः 07/2024.25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सा0नि0वि0 खण्ड नैनवां के अन्तर्गत नगर पालिका क्षेत्र की सड़क कार्य के लिये राशि रू. 155.70 लाख के उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, व ए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जायेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.raj.nic.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा डाउनलोड करने की दिनांक 27.11.2024 से 09.12.2024 तक सायं 6.00 बजे तक।

S.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB10457
2	PWD2425WSOB10458
3	PWD2425WSOB10459

DIPR/C/11833/2024 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड नैनवां

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड-बूंदी
क्रमांक-1886 दिनांक-23.11.2024
निविदा सूचना संख्या 12/2024-25
NIB code PWD2425A2852
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बजट घोषणा संख्या 17.01/2024-25 के अन्तर्गत नगर परिषद बूंदी के अधीन सड़कों का निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 04.12.2024 से 14.12.2024 को सायं 6.00 बजे तक।
UBN is: PWD2425WSOB10436
(राजाराम मीणा) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बूंदी
DIPR/C/11829/2024

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभारिम शशि सूर्यंयो:
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सिविल), जयपुर, (Registered Office Vidyut Bhawan, Jyoti Nagar, Jaipur) E-Mail:- seciviljpr@jvvnl.org, Tel.No. 0141-2207932
ई - निविदा सूचना संख्या 19 से 22/2024-25
अधिशाषी अभियन्ता (सिविल) ज.वि.वि.नि.लि. जयपुर/अलवर/भरतपुर के अधीन विभिन्न निर्माण, मरम्मत एवं विद्युत संबधित सिविल कार्यो के लिए ई-निविदा संख्या 19 से 22/2024-25 द्वारा मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा सम्बंधित अन्य विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in, www.tenders.gov.in एवं State Public Procurment Portel पर उपलब्ध है। भविष्य में तारीख बढाने की सूचना/संशोधन यदि कोई है तो ज.वि.वि.नि.लि. की वेबसाईट पर ही सूचित/प्रकाशित की जायेगी। ई-निविदा के लिए इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
NIB No. VVN2425A0168 to 170, 172 UBN No. VVN2425WSOB00680 to 722, 724 to 730, 733 to 748
राज.संवाद/सी/24/8407 जेपीआर - 2913 (2024) अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

प्रदेश के सभी सरकारी-प्राईवेट स्कूलों का एक ही समय होगा

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने राजस्थान के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल (राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध) को एक साथ संचालित करने के आदेश दिए हैं। ऐसे सभी स्कूल एक साथ शुरू होंगे और एक ही समय पर सबकी छुट्टी होगी, अगर कोई स्कूल इन आदेशों की अवहेलना करेगा, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। यहां तक कि मान्यता भी रद्द की जा सकती है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने बुधवार देर रात करीब 10 बजे यह आदेश जारी किए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सर्दी के समय में एकल पारी स्कूल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक ही चलेंगे। इसके अलावा दो पारी वाले स्कूल सुबह साढ़े 7 से शाम साढ़े 5 बजे तक चलेंगे। दो पारी वाले स्कूल की प्रत्येक पारी सर्दी में 5 घंटे की ही रहेगी।

गर्मी में सभी एक पारी के स्कूल सुबह साढ़े 7 से दोपहर 1 बजे तक संचालित होंगे। दो पारी वाले स्कूल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। दो पारी वाले स्कूलों में गर्मी में प्रत्येक पारी साढ़े 5 घंटे की होगी। दो पारी वाले स्कूलों में सर्दी में आधा घंटे कम पढ़ाई होगी। निदेशक आशीष मोदी ने कहा कि विभाग के ध्यान में आया है कि राज्य में संचालित गैर सरकारी स्कूल शिविरा (शैक्षणिक) कैलेंडर को पूरी तरह पालन नहीं कर रहे हैं। सर्दी बढ़ने के बाद भी स्कूलों का संचालन सुबह जल्दी किया जा रहा है। इससे स्टूडेंट्स के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। अगर कोई प्राइवेट स्कूल कैलेंडर का पालन नहीं करता है तो संबंधित स्कूल के खिलाफ राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्था अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों की मान्यता व क्रमोन्नति भी रद्द की जा सकती है। सर्दी बढ़ने के बाद भी सुबह 6 बजे बच्चों को लेने के लिए स्कूल बस आ जाती है। ऐसे में स्टूडेंट्स को भारी सर्दी में सुबह 5 बजे उठकर तैयार होना पड़ता है। जिन इलाकों में स्कूल घर से 15 किलोमीटर की दूरी पर हैं, वहां स्टूडेंट्स को एक घंटे पहले निकलना पड़ता है। अब राज्यभर में समान समय पर स्कूल संचालित करने से स्टूडेंट्स को राहत मिल सकती है।

शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक रमेश हर्ष ने बताया कि शैक्षणिक कैलेंडर सभी स्कूलों पर लागू होता है। सीबीएसई एक बोर्ड है, जिसका स्कूल समय से कोई सरोकार नहीं होता। जिन स्कूल को एनओसी देते हुए कैलेंडर के पालन की शर्त लगाई गई है, उन्हें भी अपना समय माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेश के अनुसार बदलना चाहिए।

डायरेक्टर के आदेश के बाद ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये आदेश सीबीएसई स्कूल पर लागू होगा या नहीं। सभी सीबीएसई स्कूल अपने स्तर पर अलग से समय तय करते हैं। शिक्षा विभाग एनओसी देते हुए शर्त रखता है कि शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करना होगा। शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ के प्रदेश संरक्षक राजेश व्यास का कहना है कि राज्य के सभी स्कूल में समान समय होना चाहिए। सर्दी सभी को लगती है। ऐसे में सुबह 7-8 बजे के बजाय 10 बजे से एकल पारी स्कूल शुरू होने चाहिए।

24 घंटे में बदला अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल

- नये आदेश के अनुसार अब 24 दिसंबर को खत्म हो जाएगी अर्द्ध वार्षिक परीक्षायें

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग से जुड़े राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में क्लास 9 से 12 के अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल 24 घंटे में ही बदल दिया है। एक दिन पहले में जारी टाइम टेबल में 17 दिसंबर से एग्जाम शुरू होने थे और 27 दिसंबर तक चलने थे।

ऐसे में शीतकालीन छुट्टियां रद्द होना तय हो गया था। अब सरकार ने टाइम टेबल में फेरबदल करते हुए 14 दिसंबर से 24 दिसंबर तक ही एग्जाम करने का निर्णय कर लिया है। ऐसे में शीतकालीन अवकाश एक बार फिर 25 दिसंबर से ही शुरू होने की उम्मीद बंध गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने गुरुवार शाम 7 बजे इस संबंध में आदेश पर डिजिटल हस्ताक्षर किए हैं। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक 14 दिसंबर को लिखित परीक्षा शुरू होगी और 24 दिसंबर तक चलेगी। वहीं स्कूलों में प्रैक्टिकल एग्जाम 12 दिसंबर और 13 दिसंबर को होंगे।

एग्जाम की तारीखें बदलने के बाद भी शीतकालीन अवकाश को लेकर असमंजस बरकरार है। अगर 24 दिसंबर तक एग्जाम समाप्त किए जा रहे हैं तो 25 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश शुरू हो सकते हैं। हमेशा सरकार 25 दिसंबर से ही शीतकालीन अवकाश शुरू करती है और 1 जनवरी के बाद तक अवकाश रहता है। इसके बाद सर्दी तेज हो जाती है तो इसमें संशोधन करके छुट्टियां बढ़ा दी जाती है। इसी से बचने के लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सर्दी के बढ़ने पर ही अवकाश करने की बात कही थी।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्राइवेट स्कूल में पेपर नहीं रखे जाएंगे। ये पेपर सरकारी स्कूल में रहेंगे, जहां से सभी प्राइवेट स्कूल को निर्धारित समय पर प्राप्त करने होंगे। अगर सरकारी स्कूल में भी सुरक्षा पर संदेह है तो संबंधित पुलिस थाने में पेपर रखे जा सकते हैं। हाफ इयरली एग्जाम के लिए हर स्टूडेंट से 20 रुपए फीस ली जाएगी। इसके अलावा ईयरली एग्जाम के लिए भी फीस साथ में ली जा सकेगी। संयुक्त निदेशक ये फीस पूर्व में गठित समान परीक्षा संचालन समिति के माध्यम से एकत्र करके पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा के खाते में जमा करवाएंगे।

राज्य में पहली बार एक साथ हो रहे हाफ ईयरली एग्जाम का टाइम टेबल जारी करते हुए शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार सर्दी की छुट्टियां 25 दिसंबर से शुरू नहीं होंगी। सभी स्कूल में प्रैक्टिकल एग्जाम 12 से 16 दिसंबर के बीच आयोजित किए जाएंगे।

साक्षात्कार का प्रथम चरण 9 से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा- 2023 के अन्तर्गत अंग्रेजी विषय के 153 पदों हेतु प्रथम चरण के साक्षात्कार का आयोजन 9 से 24 दिसंबर तक किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। वे अभ्यर्थी आवेदन पत्र वेबसाइट से डाउनलोड कर लें और उसे साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में समस्त प्रमाण पत्रों की फोटो प्रतियों सहित प्रस्तुत करें।

पूरे पश्चिमी राजस्थान में किसान बिजली को लेकर परेशान हैं : भाटी

जोधपुर, (कासं)। शिव विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि पूरे पश्चिमी राजस्थान में किसान बिजली को लेकर परेशान हैं, बिजली का संकट हैं, किसान त्राहिमाम कर रहे हैं। सरकार ने छह घंटे तक बिजली देने का वादा किया था, लेकिन चार घंटे बमुश्किल बिजली मिल रही है। अभी रबी की बुवाई चल रही है।

सरकार को तय करना होगा कि किसानों को बिजली उनकी मांग के अनुसार मिले। गुरुवार को जोधपुर आए भाटी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि किसानों की बात सुनने के बाद वो खुद कई जीएसएस पर गए, जहां कई अनियमितताएं पाई गई। बाड़मेर में डिस्कॉम चीफ से मिलकर कहा कि किसानों को पूरी बिजली देना सुनिश्चत करें। नहीं तो उनके कार्यालय पर धरना देना पड़ेगा। भाटी ने अपने खिलाफ दर्ज हुए मुकदमे को लेकर कहा कि जनता के लिए ऐसे कई मुकदमे वह झेलने को तैयार हैं। सरकार में किसी कर्मचारी को सजा देने के लिए निलंबन या एपीओ कर बाड़मेर भेज देने के सवाल पर भाटी ने कहा कि बाड़मेर कोई डस्टबिन नहीं है। आज राजस्थान में सर्वाधिक रेवेन्यू देने वाला जिला है। इस जिले की ऐसी पहचान और साख बनाना उचित नहीं है। बाड़मेर जिले में औरण बचाओ को लेकर चल रहे धरने पर शिव विधायक ने कहा कि औरण हमारी सामाजिक ओर सांस्कृति पहचान है। इसे बचाने के लिए धरना चल रहा है।

पत्थरबाजी के आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस पर हमला

- हमले में पुलिस के सबइंस्पेक्टर, थाने की एक महिला कांस्टेबल जख्मी हो गए
- परिवार की महिलाओं ने छीना-झपटी के साथ नाखूनों से पुलिस के चेहरों को भी नोंच दिया
- पुलिस ने अपना मेडिकल करवाया और मां, बेटा-बेटी को शांतिभंग में में गिरफ्तार किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर गेवा बाइपास रोड स्थित महाराणा प्रताप कॉलोनी में पत्थरबाजी के मुल्जिमों को पकड़ने गई पुलिस पर परिवार के लोगों ने हमला कर दिया। हमले में पुलिस के सब इंस्पेक्टर, थाने की एक महिला कांस्टेबल जख्मी हो गए। महिलाओं ने छीना-झपटी के साथ नाखूनों से पुलिस के चेहरों को भी नोंच दिया। पुलिस ने अपना मेडिकल करवाया और इसमें मां, बेटा- बेटी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। घटना के समय पिता घर पर नहीं था। सूरसागर थाने के सबइंस्पेक्टर कैलाश पंचारिया की तरफ से राजकार्य में बाधा डालने का प्रकरण दर्ज कराया गया है। आरोपियों की मुकदमं में फिलहाल गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सूरसागर थाने के सबइंस्पेक्टर कैलाश पंचारिया ने बताया कि गेवा बाइपास रोड स्थित महाराणा प्रताप कॉलोनी के रहने वाले राजेंद्र सिंह सांखला और परिजन के खिलाफ दो महिने पहले पत्थरबाजी का प्रकरण दर्ज हुआ था, जिसमें आरोपियों को कई बार नोटिस देकर थाने बुलाया गया था। मगर वे लोग थाने पर उपस्थित नहीं हुए। इस पर वे बुधवार की सुबह मय जाब्ते के उनके निवास पर पहुंचे और नोटिस दिए जाने के साथ गिरफ्तारी की कार्रवाई करने लगे। घटना के समय राजेंद्र सिंह वहां नहीं था, मगर उसकी पत्नी रामाकंवरी पुत्र विनय सांखला और शिवानी ही थे। ये लोग पुलिस का विरोध जताते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। छीनाझपटी एवं नाखूनों से हमला कर दिया। नाखूनों से किए गए हमले में सबइंस्पेक्टर कैलाश पंचारिया खुद जख्मी हो गए। बाद में पुलिस तीनों मां बेटा-बेटी को पकड़कर गाड़ी में बिठाते हुए थाने लेकर पहुंचे। यहां पर भी थाने में इन लोगों द्वारा महिला कांस्टेबल से बदसलुकी करते हुए उसे भी जख्मी कर दिया। एसआई पंचारिया ने बताया कि तीनों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रकरण में उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

घटना के अनुसार पुलिस की टीम ने राजेन्द्र सिंह सांखला की पुत्री शिवानी सांखला को आवाज लगाई तब दरवाजा खोला गया और शिवानी की मां रामकंवरी और उसका पुत्र विनय सांखला ने दरवाजा खोला। इस पर पुलिस टीम ने शिवानी को थाने आने का कहा और नोटिस थमाया। इस पर मां व बेटे झगड़ा करने लगे और पुलिस से गाली-गलौच करने लगे। पुलिस टीम ने विनय सांखला को दस्तयाब कर थाने ले जाने लगे तब मां रामकंवरी ने उन्हें रोकना चाहा और महिला कांस्टेबल के साथ मारपीट करने लगी। तब आरोपी शिवानी सांखला घर से आई और उप निरीक्षक कैलाश पंचारिया को थप्पड़ जड़ दिया और चेहरे को नाखून से नोंच लिया। सहायक उपनिरीक्षक सूरताराम से भी धक्का-मुक्की की गई।

DCP (HQ) (Name of Procuring Entity)
F.()/3190 Date-22.11.24
Notice Inviting Bid
पुलिस आयुक्तालय जयपुर के राजकीय वाहनों के पार्ट्स क्रय करने की वार्षिक दर
Bids for संविदा (Name(s) of subject matter(s) of Procurement) are invited for interested bidders upto 3.00 (time) 13.12.24 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state, and jaipurpolice.gov.in depatmental website.
UBN No.: COP2425GLOB00018
DIPR/C/11775/2024 (Designation of inviting officer)

Office of The Superintending Engineer, PHED, Circle Jhalawar
Notice Inviting Bid No. 12/2024-25
Bids for Augmentation/Retrofitting of various water supply scheme Ghatol & Sarda Panchayat Samiti Aklera District Jhalawar are invited from interested bidders upto 09-12-2024 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the http://sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in, and http://rajwater.gov.in departmental website.
NIB No. PHE2425A2951 dated 22-11-2024
UBN No. PHE2425WSOB06308 PHE2425WSOB06309
DIPR/C/11757/2024 Superintending Engineer, PHED, Circle Jhalawar

कार्यालय उपवन संरक्षक, धौलपुर
क्रमांक-उ.व.सं.धौ./लेखा/निविदा/2027-25/6729 दिनांक-22.11.2024
Notice Inviting Bid
Bid for construction of Boundry wall in range van vihar Dholpur Division are invited from interested bidders upto 4:00 PM, 02-12.2024. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and https://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 14.92 lakhs.
UBN No.- FOR2425WSOB01931
DIPR/C/11814/2024 DCF Dholpur

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-करौली
क्रमांक : 4529 दिनांकः 22.11.2024
निविदा सूचना संख्या : 03/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली में नगरीय निकायों के 22 कार्यों के 3 पैकेजो हेतु कार्य (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो एवं अनुभवी कन्सलटेंस से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता हैं। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक हैं।

Package No.	NIB No.	UBN No.
RJ-22-01/LSG-IV/8443//2024-25 Dn. Karauli	PWD2425A2834	PWD2425WSOB10362
RJ-22-02/LSG-IV/8443//2024-25 Dn. Hindauncity	PWD2425A2829	PWD2425WSOB10354
RJ-22-03/LSG-IV/8443//2024-25 Dn. Sapotra	PWD2425A2830	PWD2425WSOB10356

(चन्द्र प्रकाश) अधीक्षण अभियन्ता सा.नि.वि. वृत्त-करौली
DIPR/C/11849/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड खैरवाड़ा
सा.नि.वि. खण्ड खैरवाड़ा तहसील रोड खैरवाड़ा 313803
E-Mail:-xenkherwara.pwda rajasthan.gov.in
E-Mail :- eepwakherwara @rediffmail.com, Telephone No. 02907-260025
क्रमाक :- टी.एस./निविदा/24-25/13 दिनांक :- 22.11.2024
निविदा सूचना संख्या 13/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान सरकार के एए ए बी "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए ए बी "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.dipronline.org व http:/sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	2 कार्य
निविदा की लागत	रूपये 120.87 लाख
कुल धरोहर राशि	2 प्रतिशत 2,41,740/- 1/2 प्रतिशत 60.435/-
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारिख	29.11.2024 प्रातः 09.00 बजे से 02.12.2024 साय 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारिख	03.12.2024 सांय 4.00 बजे से

निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट http:/dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रकिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी।
निविदा द्वारा धरोहर राशि/निविदा शुल्क / निविदा प्रोसेसिंग शुल्क शासन सचिव वित्त बजट विभाग राजस्थान जयपुर के परिपत्र कमाक प.6 (5) वित्त / साबिलेनि/2018 दिनाक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास के चालान द्वारा जमा कराना होगा।
निविदा शर्ते 1. निविदा शर्ते किसी भी दिन कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।
2. चालान रजिस्टर्ड फर्म के नाम से ही जमा करायें।
NIB Code: PWD2425A2833
UBN No :- 1. PWD2425WSOB10359, 2. PWD2425WSOB10360
(एन.एस. डामोर) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड खैरवाड़ा
DIPR/C/11827/2024

Government of Rajasthan
Office Joint Director Agriculture (Plant Pathology)
State Bio Fertilizer Quality Control Laboratory
Durgapura, Jaipur
आज़ादी का अमृत महोत्सव
Email :- jd.ppatho.jpr@rajasthan.gov.in
F (6) JD P.Patho/RKVY/2024-25/939 Date: 19.11.24
e-Tender Notice
The Joint Director Agriculture (Plant Pathology) SBQCL, Durgapura, Jaipur Invites following online bid from the eligible bidder :-

Name of work	Total estimated cost	Bid date start	Bid submission End date & time
Supply & installation of Laboratory Equipments, Furnitures and Lab Items from Manufactures or their Authorized Distributors/ Dealers/Retailers for the use in Various "Departmental IPM and SBQCL Laboratories under Department of Agriculture, Government of Rajasthan."	RS 128.108 Lakh (Rupees One Hundred Twenty Eight Lakh And Ten thousand Eight hundred only)	21-11-2024 10.00 AM	11-12-2024 06.00 PM

Details may be seen in the bid document at the website of e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in state public procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://agricultue.rajasthan.gov.in and http://dipr.rajasthan.gov.in
(Madhu Lata Singh) Joint Director Agriculutre (Plant Pathology)
DIPR/C/11805/2024

रोप-वे, ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों के विकास में केन्द्र सहयोग करेगा : दिया कुमारी

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से की मुलाकात

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर उन्हे राजस्थान में राजमार्गों के विकास के लिए उनके द्वारा दिये गये निरन्तर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। पिछले दस साल में केन्द्र सरकार ने राजस्थान में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए लगभग एक लाख करोड़ के कार्यों को स्वीकृत किया है।

दिया कुमारी ने उन्हे आश्वस्त किया कि राज्य में सड़क तंत्र को मजबूत करने के लिए स्वीकृत की गई विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने राजस्थान को सेन्ट्रल रोड तथा इंफ्रास्ट्रक्चर फंड-सीआरआईएफ से ज्यादा सड़कें स्वीकृत करने की भी मांग की।

राजस्थान से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यो का ज़िक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से माँग की कि बृज-चौरासी परिक्रमा मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर विकसित किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार की 'पर्वतमाला योजना' के अन्तर्गत राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा धार्मिक और पर्यटन महत्व के स्थानों पर रोपवे के निर्माण की स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा जारी करने की मांग की।

उन्होंने राज्य में बनने वाले 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण की स्वीकृति भी केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी किये जाने का अनुरोध किया। दिया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में बनने वाले नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे में से जयपुर-किशनगढ़-जोधपुर प्रोजेक्ट की डीपीआर एनएचएआई को भिजवा दी गयी है तथा बाक़ी आठ एक्सप्रेस-वे का कार्य की स्वीकृति के लिए भी केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से अनुरोध किया गया है। गडकरी ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को कहा कि राजस्थान में राजमार्ग के विकास के लिए 8322 करोड़ रुपये का प्लान है तथा जरुरत पड़ने पर अतिरिक्त कार्यों की भी स्वीकृति प्रदान की जायेगी। उन्होने दिल्ली-जयपुर-किशनगढ़ मार्ग पर कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए भी ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया।

दिया कुमारी ने गडकरी से मुलाकात के दौरान बड़ौदामेव-कुम्हेर-नदबई-भरतपुर हाईवे, मथुरा से नदबई होते हुए जयपुर-आगरा रोड से जोड़ने के लिए लिंक हाईवे, दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे से बांदीकुई में प्रवेश तथा निकास के लिए कनेक्टिविटी सर्वे, जयपुर-किशनगढ़ परियोजना तथा जयपुर-रींगस मार्ग पर ब्लैक स्पॉट सर्वे, जयपुर, उदयपुर तथा अजमेर में रिंग रोड़ के निर्माण, जोधपुर में फ़ोर-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण को शीघ्र पूरा करने तथा भरतपुर के सारस चौराहे, घना, सेवर मोड और शीशम तिराहे पर फ्लाईओवर निर्माण तथा मेडिकल कॉलेज, टेक्नोलॉजी पार्क तथा बरसो के पास अंडरपास और सर्विस रोड आदि मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की।

दिया कुमारी ने भरोसा जताया कि जिस तरह से केन्द्र सरकार ने राजस्थान में हाईवे निर्माण के लिए पिछले दस सालों में भरपूर मदद की है, उसी प्रकार राजस्थान की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में भी आधारभूत ढाँचे के विकास के नये आयाम स्थापित होगें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से प्रशिक्षु भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में भेंट की।

हाईकोर्ट में जज ने मौके पर ही मशीन मंगाकर नपवाई ऊंचाई

■ केंद्र सरकार की सशस्त्र बल भर्ती-2023 में अभ्यर्थी हाइट कम नापने को कोर्ट में चुनौती दी थी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार की सशस्त्र बल भर्ती- 2023 में अभ्यर्थी की हाइट कम मापने के मामले में मौके पर ही संबंधित मशीन मंगाकर हाईकोर्ट के डॉक्टर से हाइट नपवा ली। हालांकि हाइट समान ही आने पर अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश मंजीत की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में पैरामिलिट्री फोर्स के हाइट मापने के उपकरण को लाया गया। इस दौरान विभाग के असिस्टेंट कमांडेंट अनुपम सिंह, डिप्टी कमांडेंट यशवीर और डॉ. टीआर चौधरी पेश हुए। इस दौरान अदालत ने हाईकोर्ट स्थित चिकित्सालय में तैनात डॉ. अजय पुरोहित को बुलाकर याचिकाकर्ता की हाइट नापने को कहा। डॉक्टर की ओर से याचिकाकर्ता की हाइट 168.5 सेंटीमीटर होना बताया। इस पर अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि उसकी हाइट में कोई अंतर नहीं आया है। दरअसल केन्द्र सरकार ने सशस्त्र बल के 26 हजार पदों पर गत वर्ष भर्ती निकाली थी। जिसकी शारीरिक दक्षता परीक्षा गत माह अजमेर में आयोजित की गई। दक्षता परीक्षा में याचिकाकर्ता को कम हाइट होने का हवाला देते हुए बाहर कर दिया।

इस पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि दक्षता परीक्षा में उसकी हाइट को गलत तरीके से नापा गया है। ऐसे में मेडिकल बोर्ड के जरिए उसकी हाइट का पुन: परीक्षण कराया जाए। वहीं अदालत के सामने आया कि कम हाइट नापने के कई प्रकरण हाईकोर्ट आ चुके हैं। इस पर अदालत ने संबंधित उपकरण को हाईकोर्ट लाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अदालत ने मौके पर ही हाइट का परीक्षण कर याचिका को खारिज कर दिया।

राजस्थान में 4 लाख 80 हजार जल संरक्षण एवं जल संचयन संरचनाओं का निर्माण हुआ : राठौड़

■ सांसद मदन राठौड़ ने भूजल सरंक्षण की दिशा में किए जा कार्यों को लेकर लगाए गए सवाल का जलशक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने दिया जवाब

जयपुर। राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि राजस्थान सहित देशभर में तेजी से भूजल स्तर गिरता जा रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाने की दिशा में सराहनीय कार्य करते हुए राजस्थान में 4 लाख 80 हजार तो देशभर में 98 लाख जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन सरंचनाओं को निर्माण करवाया है। इतना ही नहीं, मोदी सरकार द्वारा राजस्थान सहित देश के 7 राज्यों के जल की कमी वाले 80 जिलों में भूजल प्रबंधन के लिए समुदाय आधारित योजनाओं तक को शुरू करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। राठौड़ द्वारा देशभर में तेजी से गिरते भूजल स्तर के विषय पर लगाए गए सवाल के जवाब में जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने ये जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से 2019 से देशभर में जल शक्ति अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत देश भर में वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाएं तैयार करने जैसी विभिन्न गतिविधियों को चलाया जा रहा है। जल शक्ति अभियान 2024 के तहत राजस्थान के जल कमी वाले 10 जिलों सहित देशभर के 151 जिलों में विशेष रूप से जल सरंक्षण के लिए कार्य किए जा रहे है।

राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण संबंधी मास्टर प्लान 2020 को राजस्थान सहित देशभर के लिए लागू किया गया। इसमें देशभर में 185 बिलियन घन मीटर जल के लिए 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण की व्यापक रूपरेखा तैयार की गई है। वहीं केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की ओर से राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर और सीकर सहित राजस्थान के चयनित जल कमी वाले जिलों में बांध, चेक बांध, एनीकट और तालाबों का पुनर्भरण और निर्माण करवाया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से मिशन अमृत सरोवर अभियान के तहत राजस्थान सहित देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का विकास और पुनरूद्धार किया जा रहा है।

पेपर लीक मामले में आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियन्ता भर्ती परीक्षा वर्ष 2020 के पेपर लीक मामले में वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वी के सिंह ने बताया कि फरार वांछित कमलेश कुमार मीणा निवासी गोविंदगढ्ढ जिला जयपुर ग्रामीण को जयपुर के पानीपेच तिराहा जयपुर से गिरफ्तार किया गया।

स्वास्थ्य कार्मिकों एवं रोगियों से संवाद कर जांची स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

■ वीडियो कॉल से संवाद कर प्रमुख शासन सचिव ने बालोतरा जिले में की शुरूआत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ बनाया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग निरंतर तकनीकी नवाचार कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग ने अभिनव पहल करते हुए चिकित्सा संस्थानों में वीडियो कॉल के माध्यम से सीधा औचक संवाद प्रारंभ किया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस नवाचार की शुरूआत बालोतरा जिले के जसोल क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर मूंगड़ा में वीडियो कॉल कर की। उन्होंने अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक, बारां जिले के अटरू, चूरू जिले के सरदार शहर, डीग जिले के नगर एवं ब्यावर जिले के जैतारण ब्लॉक के चिकित्सा संस्थानों में वीडियो कॉल कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। राठौड़ ने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संवाद कर उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राठौड़ ने लाभार्थियों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं उपलब्धता के संबंध में फीडबैक भी लिया। आएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक भारती दीक्षित, राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी, निदेशक आईईसी शाहीन अली खान, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, परियोजना निदेशक, स्टेट नोडल ऑफिसर, संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों सहित राज्य, संभाग एवं जिला स्तर के 100 से अधिक अधिकारियों ने दो घंटे में एक हजार से अधिक कॉल कर करीब 1 हजार चिकित्सा संस्थानों में सीधा संवाद किया।

विद्युत प्रसारण निगम में 94 अभियन्ताओं को पदोन्नति

जयपुर। राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के आधार पर 94 सहायक एवं कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) को पदोन्नत कर खाली पदों पर पदस्थापित किया गया है।

जिन अभियन्ताओं को अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत) के पद पर पदोन्नत किया गया है, उनमें अमर दत्त व्यास, राजेन्द्र प्रसाद आर्य, जगदेव सिंह, मानसिंह, कृष्ण मीणा, रामावतार मीणा, जी.एस. मेघवाल, डेडा राम, एल. के. सालवी, डी.एस. नागर, चीमा राम चौधरी, सावर मल यादव, शिवराज चौधरी, अशोक कुमार शर्मा, दिलीप सैनी, दीपक कुमार शर्मा, सुनील कुमार यादव, सोहन लाल सैनी, मनोज कुमार सोनी, कुसुमलता चौहान, राजवीर सिंह, नरेश सैनी, राजेश कुमार, राजेश जैन, अशोक कुमार पाण्डे, आनन्द कुमार लामोरिया, अमर चन्द सैनी, एल. आर. सिरवी, संध्या चौहान, राजेश कुमार सवेता, महावीर सिंह, सुरेन्द्र कुमार, शैलेश सैनी, अभय कुन्तल, हरभजन सिंह, प्रेम प्रकाश, भारत भूषण शर्मा, अश्वनी कुमार, निर्मला गौड़, कृष्ण गोपाल, विजय बहादुर शामिल हैं।

केन्द्र ने जयपुर के लिए पर्यटन की दो योजनाएं स्वीकृत की

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा भेजी गयी क़रीब 145 करोड़ की दो बड़ी योजनाओं को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को इस संदर्भ में केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की थी। केन्द्रीय पर्यटन मंत्री ने इन कार्यों की शीघ्र स्वीकृति का भरोसा दिलाया था।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न पर्यटन केन्द्रों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूंजीगत व्यय की विशेष योजना के अंतर्गत आमेर और नाहरगढ़ के विकास के लिए 49.31 करोड़ और जल महल क्षेत्र के विकास के लिए 96.61 करोड़ रही परियोजना को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बजट में जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ की योजना की घोषणा की थी और उसके बाद से ही वे जल महल औऱ आमेर-नाहरगढ़ के विकास के लिए रोप-वे तथा अन्य योजनाओं की केन्द्र द्वारा स्वीकृति के लिए प्रयासरत थी।

दिया कुमारी ने केन्द्रीय वित्त मंत्रालय का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन की सरकार का पूरा लाभ राजस्थान को मिल रहा है। उन्होंने आशा जताई की केन्द्र सरकार द्वारा किये जा रहे 145 करोड़ से अधिक के पूंजीगत व्यय से जयपुर में पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार होगा तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इन कार्यों के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम को कार्यकारी एजेंसी नियुक्त किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जल महल और आमेर-नाहरगढ़ की विकास परियोजनाओं को पूंजीगत व्यय के रूप में स्वीकार करना, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयासों की सफलता है। पर्यटन में पूंजीगत व्यय के अलावा, नाहरगढ़-आमेर के विकास के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को रोप-वे योजनाओं के लिए भी प्रस्ताव भिजवाये गये है, जिनकी शीघ्र स्वीकृति के लिए दिया कुमारी ने बुधवार को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी।

जयपुर चारदीवारी क्षेत्र और आमेर-नाहरगढ़ के विकास कार्यों के लिए पुरातत्व और संग्रहालय विभाग की अनापत्ति प्राप्त की जा चुकी है वही जलमहल क्षेत्र के विकास कार्यों लिए वन विभाग तथा राजस्थान झील विकास प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाणपत्र भी जारी हो चुका है।

मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का दायरा बढ़ेगा

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का सुदृढीकरण करने के साथ ही इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा। उपचार हेतु औषधियो का दायरा बढाने के उद्देश्य से तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को प्रबंध निदेशक आरएमएससीएल नेहा गिरि की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में आवश्यक दवा सूची में नवीन औषधियों को शामिल करने, पूर्व से उपलब्ध औषधियों की श्रेणी परिवर्तन किये जाने से संबंधित निर्णय लिये लिए गए। बैठक में विभिन्न रोगों के उपचार के लिए जरूरी दवाओं को आवश्यक दवा सूची में शामिल करने पर विचार किया गया। बैठक में उपस्थित चिकित्सा एवं फार्मा विशेषज्ञों ने दवाओं की उपलब्धता, आवश्यकता, आपूर्ति आदि के बारे में सुझाव दिए। गिरि ने बताया कि बैठक में 390 औषधियों का परीक्षण कर किया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में हुए निर्णयों के अनुरूप जल्द ही नवीन दवाओं को आवश्यक दवा सूची में शामिल किया जाएगा। इससे रोगियों को निकट के चिकित्सा संस्थान पर अधिक से अधिक औषधियां उपलब्ध हो सकेंगी।

एस.एम.एस. अस्पताल प्रशासन ने एक करोड़ रु. की पार्किंग बिना किसी टैंडर चहेते ठेकेदार को सौंपी!

सवाई मानसिंह अस्पताल के मुख्य भवन और धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग में कच्ची पर्चियों की आड़ में दुगुना पार्किंग शुल्क वसूल रहा ठेकेदार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल की भूमिगत पार्किंग का ठेका जे.बी.एम. कंपनी से वापस लेकर चहेती फर्म को सौंपने का बड़ा मामला सामने आया है। प्रतिवर्ष 1 करोड़ रु. का राजस्व देने वाली इस पार्किंग को अस्पताल प्रशासन ने बिना किसी टैंडर चहेती फर्म मैसर्स ऋतुराज एसोसिएट्स के संचालक बृजराज सिंह को सौंप दिया। यह ठेकेदार सवाई मानसिंह अस्पताल के नाम की कच्ची पर्चियों की आड़ में आमजन से दुगुना पार्किंग शुल्क वसूल रहा है। पूरा प्रकरण उजागर होने के बावजूद चिकित्सा विभाग के अफसरों की चुप्पी कई बड़े सवाल खड़े कर रही है।

पार्किंग ठेकेदार बृजराज सिंह

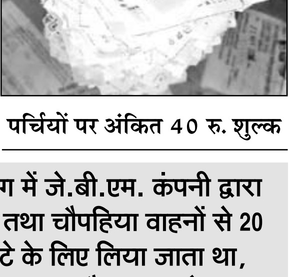

पर्चियों पर अंकित 40 रु. शुल्क

■ पूर्व में अस्पताल की पार्किंग में जे.बी.एम. कंपनी द्वारा दुपहिया वाहनों से 10 रु. तथा चौपहिया वाहनों से 20 रु. शुल्क शुरूआती 10 घंटे के लिए लिया जाता था, अब नया ठेकेदार यह क्रमशः 20 और 40 रु. के हिसाब से राशि वसूल रहा है।

■ बड़ा सवाल यह है कि, जब एस.एम.एस. अस्पताल की पार्किंग की टैंडर प्रक्रिया पर हाईकोर्ट का स्टे है तो फिर आखिर चिकित्सा अधीक्षक ने आनन-फानन में जे.बी.एम. कंपनी से पार्किंग वापस लेकर बिना किसी टैंडर चहेते मैसर्स ऋतुराज एसोसिएट्स फर्म के संचालक बृजराज सिंह को क्यों सौंपा

■ बताया जा रहा है कि सवाई मानसिंह अस्पताल व धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग के ठेके से हॉस्पिटल प्रशासन को सालाना करीब 1 करोड़ रु. का राजस्व मिलता था, लेकिन अब यह राशि प्राइवेट ठेकेदार की जेब में जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सवाई मानसिंह अस्पताल के मुख्य भवन और धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग में इन दिनों दुपहिया वाहन चालकों से 20 रु. और चौपहिया वाहनों से 40 रु. का पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। जबकि पूर्व में यहां जिस जे.बी.एम. कंपनी के पास ठेका था, वह क्रमशः 10 रु. और 20 रु. शुरूआती 10 घंटे के लिए वसूलती थी।

सूत्रों की मानें तो सवाई मानसिंह अस्पताल के मुख्य भवन और धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग का संचालन इन दिनों मैसर्स ऋतुराज एसोसिएट्स फर्म के संचालक बृजराज सिंह द्वारा किया जा रहा है। गौर फरमाने वाली बात यह है कि, एस.एम.एस. अस्पताल की पार्किंग के टैंडर प्रक्रिया पर अदालत ने स्टे दे रखा है। गत 2 वर्षों से इस भूमिगत पार्किंग का संचालन जे.बी.जे. कंपनी कर रही थी। परंतु गत 21 नंवबर को सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक ने इस कंपनी को पत्र लिखकर यह कहते हुए ठेका निरस्त कर दिया कि, अब इस पार्किंग को एस.एम.एस. अस्पताल प्रशासन के स्तर पर संचालित किया जायेगा। अधीक्षक सुशील भाटी के इस पत्र के बाद 22 नवंबर को जे.बी.जे. कंपनी ने पार्किंग का जिम्मा अस्पताल प्रशासन को सौंप दिया।

मजेदार बात यह है कि हॉस्पिटल प्रशासन ने जे.बी.जे. कंपनी से यह पार्किंग लेते ही इसका संचालन अगले ही दिन प्राइवेट लोगों को सौंप दिया, अब यहां पर 10 व 20 रु. के शुल्क के बजाय 20 व 40 रु. की राशि वसूली जा रही है। ठेकेदार द्वारा लिए गए दुगुने शुल्क की कुछ पर्चियां गत 23 नवंबर को भी सामने आई थी। ऐसे ही पर्चियां 28 नवंबर को भी सामने आयी है, जिसमें चौपहिया वाहनों से 40 रु. का शुल्क लिया जा रहा है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि पार्किंग शुल्क की "अवैध वसूली" का यह पूरा खेल सवाई मानसिंह अस्पताल के नाम पर कच्ची पर्चियों पर खेला जा रहा है।

जबकि सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन ने मरीजों और उनकी परिजनों के लिए वाहन पार्किंग शुल्क दुपहिया वाहनों के लिए 10 और चौपहिया वाहनों के लिए 20 रुपये शुरूआती 10 घंटों के लिए तय कर रखे हैं।

पिछले दिनों जब इस प्रकरण में एस.एम.एस. अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक सुशील भार्टी से बात की गई थी तो उन्होंने कहा था कि, पार्किंग का संचालन अस्पताल स्वयं कर रहा है, कुछ निजी लोगों को पार्किंग की व्यवस्था के लिए "हायर" किया है। परंतु 28 नवंबर को कुछ वीडियो सामने आए, जिनमें अस्पताल की भूमिगत पार्किंग का संचालन अन्य ठेकेदार बृजराज सिंह द्वारा करना सामने आया।

बृजराज सिंह की फर्म ऋतुराज एसोसिएट्स पूर्व में भी सवाई मानसिंह अस्पताल की धनवंतरी ओ.पी.डी. की भूमिगत पार्किंग का संचालन कर चुकी है। यहां तक कि उनके द्वारा नगर निगम के सरकारी पार्किंगस्थल रामलीला मैदान का ठेका भी लिया गया था। ऐसे में सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर सीधा सवाल उठ रहा है कि, क्या उन्होंने दूसरे ठेकेदार को सालाना 1 करोड़ का राजस्व देने वाली पार्किंग का ठेका बिना किसी टैंडर सौंप दिया है।

हालात ऐसे हैं कि अस्पताल प्रशासन ने ना तो कम्प्यूटर जनित पर्चियों के लिए पॉस मशीनें दे रही है और ना ही निर्धारित शुल्क राशि के कोई बोर्ड पार्किंग स्थल पर लगा रखे हैं। इस वजह से आमजन को मजबूरन दुगुना शुल्क चुकाना पड़ रहा है।

सूत्रों की मानें तो सवाई मानसिंह अस्पताल की दोनों पार्किंग में प्रतिदिन करीब 500 चौपहिया और 1500 दुपहिया वाहन पार्क किए जाते हैं। इसमें से 300 चौपहिया और 500 दुपहिया वाहन अस्पताल प्रशासन के लिए निःशुल्क पार्किंग शामिल है। शेष वाहन मालिकों से प्रतिदिन करीब 50 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जाती है।

सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन ने "प्राइवेट लोगों" को पार्किंग का संचालन तो सौंप दिया, लेकिन वह कितनी राशि अस्पताल प्रशासन को जमा करवाएंगे, यह तय नहीं किया है। जबकि इससे पहले जे.बी.जे. कंपनी द्वारा प्रतिवर्ष करीब 1 करोड़ रु. अस्पताल प्रशासन को जमा करवाये जाते थे।

तीन वर्ष पूर्व यह दोनों ठेके 75 लाख रु. में इस कंपनी को दिए गए थे, सालाना 10 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ यह राशि बढ़कर 1 करोड़ रु. पहुंच गई थी। बताया जा रहा है कि शुरूआती 10 घंटे के लिए एसएमएस अस्पताल की इस पार्किंग में साईकिल के लिए पांच रु., बाइक-स्कूटर के लिए 10 रु. और चौपहिया वाहन के 20 रुपये तय है। इसके अलावा 24 घंटे के लिए साईकिल के लिए 10, बाइक-स्कूटर के लिए 20 और चौपहिया वाहन के लिए 40 रुपये तय है।

ऐसी छवि बनाएं कि लोग याद करते रहें : देवनानी

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सुरेश चन्द्र पारीक और जितेन्द्र सारवान को सेवानिवृत्त होने पर माला व साफा पहनाकर व शॉल ओढाकर स्मृति चिन्ह भेंट किये।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि अपने कर्म, व्यवहार, पहल, निष्ठा और ईमानदारी से ऐसी छवि बनाएं कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी लोग याद करते रहें।

देवनानी ने यह बात गुरूवार को यहां विधान सभा में सहायक सचिव सुरेश चन्द्र पारीक और जितेन्द्र सारवान के सेवानिवृत्ति पर आयोजित समारोह में कही। देवनानी ने दोनों अधिकारियों को माला व साफा पहनाकर व शॉल ओढाकर स्मृति चिन्ह भेंट किये। देवनानी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को तनाव नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय से पहले और भाग्य से ज्यादा नहीं मिल सकता है। लम्बी अवधि की राज्य सेवा की स्मृतियों को स्मरण करने का यह दिवस यादगार होता है। साथी कर्मियों और परिवारजन को मिलकर इस दिवस को उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। देवनानी ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद मानव सेवा का स्टार्टअप आरम्भ करें। जीवनभर सक्रिय बने रहने का प्रयास करें। अपने परिवारजन को विधानसभा, राजनैतिक आख्यान संग्रहालय और संविधान दीर्घा अवश्य दिखाएं। परिवारजन को भी यह महसूस होना चाहिए कि उनके परिवार का सदस्य राजस्थान विधानसभा जैसे गरिमामय स्थल पर काम कर रहा है। उनके लिए भी यह गौरव की बात होगी। इस अवसर पर विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी, अधिकारी संघ के अध्यक्ष लोकेश जैन और विधान सभा सहकारी साख समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित अन्य पदाधिकारी तथा विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

कुण्डली, हस्तरेखा और कर्म की त्रिवेणी का संगम बने ज्योतिषि : देवनानी

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि ज्योतिष विद्या भारत में ही उत्पन्न हुई और यहीं से सम्पूर्ण विश्व में इस विद्या का प्रचार- प्रसार हुआ है। यह विद्या अपने आप में शुद्ध गणित है। इसके अध्ययन के लिए अन्य देश के लोग भारतीय विद्वानों से सम्पर्क करते हैं। यह भारत के लिए गौरव है। देवनानी ने ज्योतिषियों का आव्हान किया है कि वे भारतीय सनातन संस्कृति के वाहक बने।

देवनानी गुरुवार को यहां नारायण सिंह सर्किल स्थित इन्द्रलोक सभागार में सर्वशक्तिमान अन्तरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने स्वस्ति वाचन के गुंजायमान के साथ दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। देवनानी ने गृह नक्षत्रों की चाल से सटिक भविष्यवाणी करने वाले ज्योतिषों को वंदन करते हुए कहा कि भारत में विकसित हुई गृह नक्षत्रों की गणना पद्धति से ब्राह्माण्ड की रीति-नीति के साथ पंचांग की रचना विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। भारत के शून्य के अविष्कारक आर्यभट्ट जैसे विद्वान के द्वारा आर्यभट्टीयम के माध्यम से गणना सिखाई तो प्रख्यात खगोलविद वराहमिहिर ने अपनी कृति सिद्धान्तपंचिका के माध्यम से कालगणना की विधि लोगों को सिखाई थी। इनके अलावा ब्रह्मगुप्त की कृति "ब्राह्मस्फुटसिद्धान्त", अल्स का "शिष्यधीवृद्धि", श्रीपति का "सिद्धान्तशेखर", भास्कराचार्य का "सिद्धान्तशिरोमणि", गणेश का "ग्रहलाघव" तथा कमलाकर भट्ट का "सिद्धान्त-तत्व-विवेक" भारतीय ज्योतिष व गणित की असाधरण कृति हैं।

ब्रांडेड कंपनी के नकली शैंपू बनाने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

पकड़े गए युवक आगरा के रहने वाले हैं और एक होटल में नकली शैंपू तैयार कर रहे थे

अजमेर, (कासं)। पुलिस सदर थाना कोतवाली ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अजमेर में ब्रांडेड कंपनियों के नकली शैंपू बनाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक आगरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले हैं और खाईलैंड मार्केट स्थित एक होटल में नकली शैंपू तैयार कर रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई से दरगाह इलाके और आसपास के भीड़भाड़ वाले बाजारों में नकली शैंपू बेचने का कालाधंधा उजागर हुआ है।

पुलिस के मुताबिक खाईलैंड मार्केट स्थित एक होटल में आरोपी ब्रांडेड कंपनियों के नकली शैंपू तैयार कर रहे थे। इस गोरखधंधे को चलाने के लिए उन्होंने होटल को अपने ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया। पुलिस ने मामले में आगरा निवासी गुड्डु, सुल्तान, उस्मानी एवं अन्य युवक को गिरफ्तार किया है। इन युवकों का मुख्य लक्ष्य दरगाह इलाके और आसपास के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नकली शैंपू बेचकर मुनाफा कमाना था। पुलिस ने होटल पर छापा मारते हुए इन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

पुलिस ने ब्रांडेड कंपनियों के नकली शैंपू बनाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकली शैंपू के कई डिब्बे बरामद किए। ये सभी नकली उत्पाद विभिन्न ब्रांडेड कंपनियों के नाम और लेबल के साथ तैयार किए गए थे, ताकि ग्राहकों को आसानी से भ्रमित किया जा सके।

■ गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकली शैंपू के कई डिब्बे बरामद किए

पुलिस ने बरामद माल को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की प्राथमिक जांच में आरोपियों का नेटवर्क आगरा (उत्तर प्रदेश) से अजमेर तक फैला हुआ था। युवक आगरा से अजमेर आकर स्थानीय बाजारों में नकली शैंपू बेचने का काम करते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और उम्मीद है कि जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

तालाब में ट्रक पलटा, ड्राइवर सहित तीन घायल

अंधेरे में कच्चे रास्ते पर बेकाबू हो गया था ट्रक

पाली, (नि.सं.)। पाली में देर रात को कच्चे रास्ते पर एक ट्रक असंतुलित होकर तालाब में पलट गया। ट्रक में सवार ड्राइवर सहित तीन जने बड़ी मुश्किल से बाहर निकले। गुरुवार सुबह ट्रक और उसमें रखी बड़ी मशीन को बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार पाली के निकट डेंडा गांव रोड का निर्माण कार्य चल रहा है। पीपाड़ से डेंडा पंचों की प्याऊ के पास स्थित कैम्प में बड़ी मशीन ट्रक में लेकर बीकानेर जिला निवासी 59 वर्षीय ड्राइवर जगदीश पुत्र गोपालनाथ आ रहा था। उसके साथ दो कम्पनी के कर्मचारी भी थे।

■ ट्रक और उसमें रखी बड़ी मशीन को क्रेन से बाहर निकाला

पाली में कच्चे रास्ते पर ट्रक असंतुलित होकर तालाब में पलट गया।

मंडली गांव के निकट बुधवार रात करीब एक बजे वे डेंडा की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते से गुजर रहे थे। इस दौरान अचानक ट्रक अंसतुलित हो गया और सड़क किनारे तालाब में पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार तीनों लोग घायल हो गए और बड़ी मुश्किल से ट्रक से बाहर निकले और खुद की जान बचाई। हादसे की सूचना पर रात को ट्रक को तालाब से निकालने के लिए हाइड्रो और क्रेन भी मौके पर बुलाई गई, लेकिन अंधेरा होने के कारण उसे निकालने में कामयाब नहीं हो सके। ऐसे में गुरुवार सुबह तालाब में गिरे ट्रक और उसमें लोड की गई मशीन को निकाला जा सका। इस दौरान खासी भीड़ रही। मामले में मंडल गांव निवासी सामाजिक कार्यकर्ता नटवरसिंह ने कहा कि डेंडा रोड बना रही कम्पनी ने निर्माण कार्य के दौरान आने-जाने वाले वाहनों के लिए अलग से वैकल्पिक मार्ग नहीं दिया। ऐसे में वाहन चालकों को कच्चे रास्ते से होकर आना-जाना पड़ रहा है। जिससे हादसे हो रहे हैं।

दुबई से हुए ट्रांजेक्शन मामले में झुंझुनूं के जखोड़ा गांव में ईडी की कार्रवाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के जखोड़ा गांव में ईडी की कार्रवाई हुई है। कार्रवाई किस मामले में हुई है। यह पुख्ता जानकारी नहीं मिली है। लेकिन दुबई से हुए पैसों के ट्रांजेक्शन को लेकर यह कार्रवाई किए जाने की खबर मिल रही है। जिसके बाद इस कार्रवाई को मनी लॉड्रिंग के केस से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक जखोड़ा गांव के ग्रामीण डाक सेवक चिरंजीलाल कस्वां के घर पर गुरूवार सुबह करीब छह बजे दो गाड़ियों में सवार होकर एक टीम पहुंची। ईडी की टीम ने अपना परिचय देते हुए नोटिस और घर के सर्च की बात कही। उस वक्त चिरंजीलाल और उसका बेटा जितेंद्र कस्वां समेत परिवार के सभी सदस्य मौजूद थे। देर रात तक ईडी की टीम घर में सर्च कर रही थी। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि ग्रामीण डाक सेवक चिरंजीलाल कस्वां का बेटा जितेंद्र कस्वां इंजीनियर है। जिसका दुबई और दिल्ली में कारोबार बताया जा रहा है।

■ ग्रामीण डाकसेवक चिरंजीलाल कस्वां के घर पर पहुंची टीम, बेटा जितेंद्र कस्वां ईडी की रडार पर

जितेंद्र भी पिछले कुछ दिनों से गांव आया हुआ था। ईडी की कार्रवाई की सूचना से सुबह से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ईडी की टीम के साथ आए सीआरपीएफ के जवानों ने घर के अंदर और घर के बाहर पहरा दे रखा है। किसी को भी आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। जांच और पूछताछ के दौरान चिरंजीलाल की पत्नी की तबियत भी खराब हो गई बताई। जिसे भी ईडी की टीम अपने साथ अस्पताल लेकर गई और चिकित्सक से ईलाज दिलाकर अपने साथ ही वापिस लाई। यह टीम दिल्ली से आने की सूचना मिल रही है। जिसमें सीआरपीएफ के जवान के अलावा दिल्ली पुलिस की महिला कांस्टेबल समेत करीब 16 सदस्यों के होने की सूचना है। माना जा रहा है कार्रवाई और जांच पूरी होने के बाद ईडी इस मामले का पूरा खुलासा करे। हालांकि अभी तक यह कार्रवाई पूरी तरह से अब तक सवाल बनी हुई है।

जितेंद्र कस्वां की सालभर पहले ही शादी हुई थी। गांव में जितेंद्र कस्वां ने शानदार शादी की थी। उसका छोटी भाई वीरेंद्र कस्वां है। जो खेती बाड़ी करता है और दो बहनें भी है। बीते तीन-चार सालों में ही जितेंद्र कस्वां ने अच्छी खासी कमाई है। जिसके चलते शादी से पहले उसने मकान का भी रिनोवेशन करवाया था। जो गांव में चर्चा का विषय रहा था।

ग्रामीणों की मानें तो ईडी की टीम रात को दो-ढाई बजे ही पहुंच गई थी। जिसके बाद टीम की गाड़ियां गांव के ही बस स्टैंड पर मंदिर के पास खड़ी रही। इसके बाद सुबह छह बजे करीब दोनों गाड़ियां एक साथ चिरंजीलाल कस्वां के घर पहुंची। जहां पर चिरंजीलाल कस्वां ने अपना जखोड़ा गांव का ग्रामीण डाक सेवा का कार्यालय भी खोल रखा है। देर शाम को मंड्रेला पुलिस भी मौके पर पहुंची। जो सुरक्षा के लिहाज से रात तक डटी रही।

पत्नी ने हथाड़े से पति की हत्या की थी, पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

संग्रामपुरा में खेत पर पानी पिलाते व्यक्ति की हत्या का खुलासा

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना कलिंजरा ने ग्राम संग्रामपुरा में खेत पर पानी पिलाते हुए व्यक्ति की हत्या का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि 25 नवंबर को गौतम पुत्र फूला निनामा निवासी संग्रामपुरा ने रिपोर्ट दी कि सुबह लगभग साढे तीन बजे उसका लड़का जगदीश अपनी पत्नी सीमा के साथ खेत में पानी पिलाने के लिये गया हुआ था। लगभग साढ़े दस बजे सीमा घर आ गई और जगदीश वहीं खेतों में पानी पिला रहा था। उसका दूसरा लड़का दिनेश चार बजे जगदीश को देखने गया तो पता चला कि जगदीश के सिर में गहरी चोट लगी है और सिर लहूलुहान था उसका शव खेत में चारपाई पर पड़ा था। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल एवं एमओबी टीम के साथ ही डॉग स्क्वॉड की सहायता ली गयी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा एएसपी राजेश भारद्वाज के निर्देशन व वृत्ताधिकारी संदीप सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना कलिंजरा की टीम गठित की गयी। इस टीम ने मृतक की पत्नी सीमा को केन्द्र में रखकर मुखबीरी तंत्र तथा मृतक के परिवार के लोगों से पूछताछ की। वहीं सीमा से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गयी।

पुलिस ने षड्यंत्र में शामिल प्रेमी को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम ने गहनता से अनुसंधान किया तो पता चला कि मृतक जगदीश की पत्नी सीमा का उसके परिवार के ही महेश पुत्र रमण से प्रेमप्रसंग था जिसके चलते सीमा ने जहरीली दवाई पीकर मरने का प्रयास भी किया था। इधर जगदीश और उसकी पत्नी सीमा में इन संबंधों को लेकर विवाद होते रहते थे। जिसके चलते सीमा ने अपने प्रेमी महेश के साथ मिलकर जगदीश को रास्ते से हटाने की कई बार योजना बनाई, मगर एक ही परिवार के होने के कारण मौका नहीं मिल पा रहा था। घटना के दो दिन पहले जगदीश की हत्या की योजना बनाई और सीमा ने अपने प्रेमी महेश को गुजरात काम पर भेज दिया, क्योंकि यदि महेश गांव में ही रहता तो उस पर हत्या का संदेह जाता। योजना के मुताबिक सीमा अपने साथ हथौड़ी लेकर गयी और जब जगदीश थककर सो गया तो सीमा ने हथौड़ी से जगदीश के सिर पर पांच-छह वार किये और जब उसे विश्वास हो गया कि जगदीश मर गया है तो वो घर पर आकर सो गयी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीमा के प्रेमी महेश को भी आपराधिक षड्यंत्र में शामिल पाया एवं उसे राजकोट से दस्तयाब कर पूछताछ कर हत्या के आपराधिक षड्यंत्र में गिरफ्तार किया। वहीं घटना में प्रयुक्त हथौड़ा एवं अन्य सामान सीमा की निशादेही से बरामद किया।

बीसलपुर बांध से पानी की चोरी रोकने हेतु अभियान चलाया

देवली, (निसं)। बीसलपुर परियोजना के अधिकारियों ने अवैध साईफ़नों व इंजिनों के जरिए पानी चोरी करने के मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

परियोजना के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने जानकारी में बताया कि इन दिनों किसानों के खेतों में फसल की सिंचाई के लिए बीसलपुर बांध की मुख्य एवं सहायक नहरों पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे में कई किसान अवैध रूप से नहर में साइफनों और इंजन लगाकर नियम विरुद्ध नहर से पानी निकल रहे हैं। जिससे गरीब किसान के खेत को पानी मिलाने में दिक्कतें पहुंच रही है। छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की खेतों की फसल को पानी पर्याप्त मात्रा में मिल सके और नहरों में अंतिम छोर तक सिंचाई हेतु पानी पहुंचे सके, इसलिए पानी की चोरी को रोकने हेतु सघन अभियान चलाया गया है, जिसके अंतर्गत सहायक अभियंता जगदीश मीणा व कनिष्ठ अभियंता द्वारा दाखिया बांध की मुख्य नहर पर कार्यवाही करते हुए नौ अवैध साईफनों तथा 5 इंजन के नोजल जप्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त जगह-जगह नहर में लगाए गए अनेकों अवरोधों को भी हटाया गया।

■ सिंचाई के लिए नहरों में छोड़े गए पानी की चोरी के विरुद्ध कार्रवाई की

अधिशासी अभियंता नें बताया कि नहरों से पानी की चोरी को रोकने के लिए यह अभियान आगे भविष्य में भी जारी रहेगा तथा नहर संचालन में व्यवधान उत्पन्न करने वालो के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

54 किलो अवैध डोडा-पोस्त जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 54.620 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। वहीं पुलिस ने कार जब्त की है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को पुलिस थाना मसूदा गणपत राम उप निरीक्षक ने रामगढ़ से ब्यावर की तरफ तेज गति से जा रही मारुति स्विफ्ट डिजायर कार का पीछा किया तो कर चालक द्वारा पुलिस जीप को पीछे देखकर कर की गति और तेज कर दी थी जिस कारण सरहद देवास में माताजी के मोड पर वहां मारुति स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर पलटी खाकर खाई में गिर गई तथा तस्कर झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गए।

केन्द्राधीक्षकों को प्रशिक्षण दिया

अजमेर, (कासं)। पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2023 के संबंध में गुरुवार को केन्द्राधीक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी परीक्षा वन्दना खोरवाल ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1 से 3 दिसम्बर तक दो पारियों में पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा 2023 आयोजित होगी। इसके सफल, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण आयोजन के लिए परीक्षा से पूर्व की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को जिला कलेक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के माध्यम से समस्त केंद्राधीक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में कलेक्टर लोक बंधु द्वारा परीक्षा में परीक्षार्थियों के प्रवेश के समय उचित एचएचएमडी के माध्यम से फ्रिस्किंग किए जाने एवं अभ्यर्थियों की मूल पहचान पत्रा से प्रवेश देने के निर्देश दिए गए। राजस्थान कर्मचारी बोर्ड द्वारा इस परीक्षा के संबंध में किए गए नवीन परिवर्तनों एवं नवाचारों से भी केंद्राधीक्षकों को अवगत कराया गया। परीक्षा कार्य से जुड़े कार्मिकों एवं अधिकारियों की समूचित ब्रिफिंग कराई गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार के प्रकरणों एवं अनियमितताओं में स्वयं के स्तर पर निर्णय लेने के स्थान पर सभी प्रकरणों एवं अनियमितताओं को सचिव राजस्थान कर्मचारी बोर्ड अथवा परीक्षा शाखा कलक्ट्रेट कन्ट्रोल रूम के संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच झगड़ा, एक घायल

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बीच झगड़ा हो गया। स्टील की रॉड और कड़े से हमले में एक विद्यार्थी घायल हो गया। गंभीर हालत में विद्यार्थी को आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। विद्यार्थी के सिर में 4 टांके आए हैं।

डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आईसीयू में भर्ती एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के विद्याार्थी संजय कुमार सैन ने बताया कि कॉलेज के बाहर निजी हॉस्टल में रहता है। दो दिन पहले उसी के साथ द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले विद्यार्थी ने उसे हॉस्टल में ही रुकने की धमकी दी। इसके बाद भावेश चौधरी अपने साथियों के साथ हॉस्टल में आया और हॉस्टल की छत पर चलने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इस पर उन्होंने उसके साथ मारपीट की। सीनियर विद्यार्थी ने बीच-बचाव कर छुड़वाया। संजय ने बताया कि मारपीट की वजह से वह डर गया था, जिस वजह से वह कॉलेज जाने के बाद अपने ही दोस्त के साथ कॉलेज के हॉस्टल में रुक गया। मंगलवार रात करीब 11 बजे बाद बिजली गुल होने पर द्वितीय वर्ष के ही उसके साथी मोनिका चौधरी, तुषार चौधरी, रोहित चौधरी और धीरज चौधरी आए। उन्होंने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसके सिर पर स्टील की रॉड और कड़े से हमला किया। जिससे उसके सिर से खून बहने लगा और नीचे गिर पड़ा। हॉस्टल में रहने वाले दूसरे विद्यार्थी ने बीच बचाव कर छुड़वाया। इसके बाद उसे गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल में लेकर आए। आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. बाल मुरुगन भी अस्पताल पहुंचे और विद्यार्थी की हालत के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थी ने घटना को लेकर अपने पिता को भी बताया। विद्यार्थी ने बताया कि उसके पिता के आने के बाद ही पुलिस में रिपोर्ट को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

हमले में घायल विद्यार्थी को असपताल में भर्ती कराया।

महिला ने आत्महत्या की : - उदयपुर शहर के बड़गांव थाना क्षेत्र में विवाहिता ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डांगियों की पंचोली देबारी हॉल ब्राम्हणों की हुन्दर मदार निवासी संतोष पत्नी दिनेश वागरिया ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर एसडीएम गिर्वा नीरमा विश्नोई ने मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। दिनेश एवं सतोष का पांच माह पूर्व विवाह हुआ था।

स्मार्ट सिटी के साथ अजमेर को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने की शुरूआत

27 नवम्बर को भारत सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई है

अजमेर, (कासं)। भारत सरकार के द्वारा शुरू किए गए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को समर्थन देते हुए राजस्थान महिला कल्याण मण्डल (चाचियावास) अजमेर ने बाल विवाह के रोकथाम के प्रयासों को और तेज कर दिया है।

संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि हाल ही में 27 नवम्बर को भारत सरकार के द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की गई है। अभियान का उद्घाटन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया है। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल (चाचियावास) अजमेर बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैर सरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन "जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन" (जे.आर.सी.) का सहयोगी संगठन है जो कि देश के 417 जिलों में बाल विवाह की रोकथाम एवं जागरूकता के लिए प्रयासरत है। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल के द्वारा भी राज्य के 6 जिलों अजमेर, नागौर, बीकानेर, चुरू, झुन्झुनू, तथा डीडवाना-कुचामन आदि में बाल विवाह, बालश्रम एवं बाल यौन शोषण की रोकथाम के लिए कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल (चाचियावास) अजमेर ने प्रयासों को तेज किया।

कौशिक ने बताया कि "जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन" का सहयोगी संगठन होने के नाते राजस्थान महिला कल्याण मण्डल भी बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का भरपूर समर्थन करता है। संस्था का प्रयास रहेगा कि कोई भी बालिका स्कूल से ड्रॉप आउट नहीं हो क्योंकि ड्रॉप आउट बालिकाओं का बाल विवाह होने की संभावनाएं अधिक रहती है। साथ ही संस्था के द्वारा बाल विवाह की रोकथाम के लिए आगे आने वाली बालिकाओं को चैम्पीयन के रूप में जिला एवं राज्य स्तर पर सम्मानित कराया जाने का प्रयास भी किया जाएगा।

कार्यक्रम उपनिदेशक नानूलाल प्रजापति ने बताया कि अजमेर जिले में बाल विवाह मुक्त अभियान के समर्थन में जिला प्रशासन के साथ जागरूकता कार्यक्रम से अभियान की शुरूआत करते हुए संध्या के समय 60 गांवों में महिलाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, समुदाय के लोगों आदि के साथ कैंडल मार्च निकालकर बाल विवाह को बन्द करने के लिए आवाज बुलन्द की गई एवं जागरूकता का माहौल तैयार किया गया।

■ 60 गांवों में कैंडल मार्च निकाल बाल विवाह को बंद करने के लिए आवाज बुलन्द की गई एवं जागरूकता का माहौल तैयार किया

संस्था की मुख्य कार्यकारी क्षमा आर कौशिक ने बाल विवाह मुक्त भारत की शुरूआत के लिए खुशी जाहिर करते हुए कहा कि "जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन" के माध्यम से संस्था के इन प्रयासों को गति मिलेगी साथ ही उन बच्चों को उनका बचपन खुशहाल करने का अवसर प्राप्त होगा जो बाल विवाह की वजह से अंधकारमय भविष्य की और जा रहे थे। बाल विवाह के खात्मे में संस्था का ये प्रयास जिला प्रशासन के साथ निरन्तर रहेगा। जागरूकता कार्यक्रम में संस्था की एक्सेस टू जस्टिस टीम के जिला समन्वयक दीपक कुमार जोरम, काउंसलर ज्योति मण्डरावलिया, फील्ड कोर्डिनेटर योगिता गौड़ तथा मीनू स्कूल एवं सागर कॉलेज की टीम ने सहयोग किया।

ऋषभ के लिए पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं रहा। हमारे लिए भी पैसा कभी कोई मुद्दा नहीं था मुझे लगता है कि हम तीनों (किरण गांधी, जिंदल और पंत) की सोच एक जैसी नहीं थी।''

- पार्थ जिंदल

दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक, ऋषभ पंत के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मनु भाकर

भारत की स्टार निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक्स 2024 की डबल मेडल विजेता मनु भाकर ने दोबारा ट्रेनिंग शुरू कर दी है। लेकिन उनके फैंस के लिए एक निराशाजक खबर है क्योंकि मनु अगले महीने होने वाली नेशनल चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं होंगी। ये पेरिस ओलंपिक्स के बाद ऐसा दूसरा बड़ा टूर्नामेंट होगा, जिसमें मनु भाकर ने भाग लेने से इनकार कर दिया है। दरअसल, मनु भाकर के कोच जसपाल राणा का कहना है कि मनु भाकर नेशनल चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कोच के मुताबिक मनु को ट्रेनिंग में वापस आए उतना समय नहीं हुआ है।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच की एक पारी में सर्वाधिक 71 रन अतिरिक्त देने का रिकार्ड पाक के तेज गेंदबाजों के नाम है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1987-88 के जार्जटाउन टैस्ट में यह रिकार्ड बनाया।

रविन्द्र व आदित्य की घातक गेंदबाजी से शाईनिंग स्टार क्लब की आसान जीत

जयपुर, 28 नवंबर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में शाईनिंग स्टार क्लब ने आदित्य टांक 16 रन पर 3 विकेट, रविन्द्र खांची 21 रन पर 3 विकेट, हर्ष डांगी 27 रन पर 2 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत यूनियन क्रिकेट क्लब को 7 विकेट से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया। टॉस जीतकर यूनियन क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी की लेकिन शिवांजल अग्रवाल 36 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज शाईनिंग स्टार क्रिकेट क्लब के गेंदबाजों आदित्य टांक 16 रन पर 3 विकेट, रविन्द्र खाची 21 रन पर 3 विकेट, हर्ष डांगी 27 रन पर 2 विकेट की घातक गेंदबाजी के समक्ष यूनियन क्रिकेट क्लब का कोई बल्लेबाज नही टिक सका और पूरी टीम 26 ओवर में मात्र 85 रन पर सिमट गयी। जवाबी पारी में शाईनिंग स्टार क्रिकेट क्लब के आदित्य शर्मा 42 रनानाबाद, कृष्णा सुरेका 12 रन तथा विजय मीणा 10 रन के सहयोग से विजय लक्ष्य 16.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 87 रन बनाकर हासिल कर लिया और अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच का मैन ऑफ द मैच रविन्द्र खींची 21 रन पर 3 विकेट।

अखिल भारतीय एसबीआई इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट 2 से

जयपुर, 28 नवंबर। अखिल भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया इंटर सर्किल बैडमिन्टन टूर्नामेंट का आयोजन 2 से 5 दिसम्बर होगा। सर्किल वेलफेयर कमेटी के सचिव विनोद तंवर ने बताया की यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित बैडमिन्टन हॉल में होने वाली प्रतियोगिता में स्टेट बैंक की सभी 17 सर्किल टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के दौरान पुरुष एवं महिला एकल, युगल और टीम इवेन्ट के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में करीब 175 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता का उद्‌घाटन 02 दिसम्बर को सुबह होगा तथा समापन समारोह 05 दिसम्बर को होगा।

प्रियुश हॉस्पिटल एवं माया आई हॉस्पिटल सेमीफाइनल में

जयपुर, 28 नवंबर। लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि आज विभिन्न वर्गों में लीग मैच सम्पन्न हुए। किड्स वर्ग में लीग मैच की समाप्ति पर प्रियुश पैंथर्स, माया आई हॉस्पिटल मास्टर्स, कॉंकरिया फाइटर्स और ए ई आई आर सी सेमीफाइनल में पहुंचे। सेमीफाइनल मैच 30 नवंबर को खेले जाएंगे। प्रियुश पैंथर्स का मुकाबला माया आई हॉस्पिटल से और कॉंकरिया फाइटर्स का मुकाबला ए ई आर आई सी के बीच होगा। लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि महिला वर्ग में खेले गए लीग मैचेज में स्पेक्ट्रा इमेजिंग ने पाथोस्कोप रेडर्स को 3-2 से हराया। शुभम डायग्नोस्टिक ने एक्सेल केअर को 3-2 से हराया। संभव डायग्नोस्टिक ने जे एफ एम आर सी को 4-1 से हराया। शुभम डायग्नोस्टिक ने जे एफ एम आर सी को 3-0 से हराया। संभव डायग्नोस्टिक ने एक्सेल केअर को भी 3-0 से हराया। लीग मैचेज की समाप्ति पर ग्रुप से प्रियंका हॉस्पिटल और स्पेक्ट्रा इमेजिंग तथा ग्रुप से शुभम केअर एवं संभव डायग्नोस्टिक सेमीफाइनल में पहुँचे। सेमीफाइनल में प्रियंका हॉस्पिटल का मुकाबला संभव डायग्नोस्टिक से और स्पेक्ट्रा इमेजिंग का मुकाबला शुभम डायग्नोस्टिक से होगा। लीग कॉर्डिनेटर दिलीप गुप्ता ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में सोमानी हॉस्पिटल ने अग्रवाल हॉस्पिटल पर 2-1 से जीत हासिल की। वरिष्ठ वर्ग में समाप्त हुए लीग मैचेज की समाप्ति के बाद ग्रुप से रावत आई हॉस्पिटल एवं जयपुर न्यूक्लियर इमेजिंग, ग्रुप से एच सी जी हॉस्पिटल एवं कैन्सर केअर क्लीनिक, ग्रुप से मेडिप्स रॉयल्स एवं यूरोशूटर्स तथा ग्रुप से फ्लो केअर डायग्नोस्टिक एवं एन एच बी एच क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। क्वार्टर फाइनल मुकाबले 29 को खेले जायेंगे।

टीम इंडिया से मिले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, कोहली के पर्थ टेस्ट शतक की तारीफ की

कैनबरा, 28 नवम्बर। टीम इंडिया मौजूदा समय में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। वहीं इसका पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जा चुका है जिसे भारत ने जीत लिया। वहीं दोनों टीमों के बीच 6 दिसंबर से दूसरा मैच खेला जाएगा लेकिन इससे पहले टीमें पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी करेंगी। फिलहाल, टीम इंडिया कैनबरा पहुंची और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज से मिली।

जहां ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने विराट कोहली की तारीफ कीइस दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने भारतीय खिलाड़ियों की तारीफ की और उनसे काफी बातचीत की। इसका एक वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पीएम एंथोनी अल्बानीज भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह, विराट कोहली और अन्य खिलाड़ियों से मिल रहे हैं। इस दौरान विराट और अल्बानीज के बीच जो बातचीत हुई वह काफी मजेदार थी।

अल्बानीज ने विराट को देखा तो उनसे हाथ मिलाया और हाल चाल पूछआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले कि, पर्थ में आपने शानदार सेंचुरी जड़ी। मानो उस समय हम पर्याप्त कष्ट नहीं झेल रहे थे। ये वाकई में शानदार था। इस पर विराट कहते हैं कि आप इसमें मसाला लगा रहे हैं। कोहली ने पर्थ में अपने टेस्ट करियर की 30वीं सेंचुरी ठोकी और इंटरनेशनल क्रिकेट में 81वां शतक जड़ा। वहीं प्रोफेशनल क्रिकेट में उनके शतकों की संख्या 100 हो चुकी है। वे दूसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने ये मुकाम प्रतिस्पर्धा क्रिकेट में हासिल किया है। सचिन तेंदुलकर एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने प्रोफेशनल क्रिकेट में 100 से ज्यादा शतक जड़े हैं।

पाकिस्तान के कारण आईसीसी को होगा बड़ा नुकसान, चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर होगी मीटिंग

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर अभी बीसीसीआई बनाम पीसीबी का पेंच सुलझा भी नहीं है कि, पाकिस्तान के कारण अब आईसीसी को बड़ा नुकसान होने वाला है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को सुनिश्चित करना होता है कि टूर्नामेंट शुरू होने से 90 दिन पहले तक भाग ले रहे सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड्स को शेड्यूल भेजा दिया जाए। लेकिन भारत और पाकिस्तान के टकराव के बीच एख नया अपडेट सामने आया है कि शेड्यूल में हो रही देरी के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के ब्रॉडकास्टर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। शेड्यूल जारी करने की डेडलाइन निकल चुकी है। इस कारण प्रसारणकर्ता डिज्नी और जियो को भारी नुकसान झेलने की नौबत आ गई है। चूंकि अब तक चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल सामने नहीं आया है इसलिए ब्रॉडकास्टर्स भी इस आगामी आईसीसी टूर्नामेंट का फायदा उठाने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई पड़ रहे हैं। कमर्शियल मुद्दों पर आईसीसी ने अब तक कोई बयान जारी नहीं किया है, लेकिन इतना जरूर है कि इससे मेजबान पाकिस्तान और खासतौर पर ब्रॉडकास्टर्स नुकसान झेलने की ओर अग्रसर हैं। इसी रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि ब्रॉडकास्टर्स भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। लेकिन ये भी ध्यान रखना होगा कि दोनों देशों को अलग-अलग ग्रुप में रखने से पाकिस्तान अपने सारे मैच अपने देश में खेल सकता है। वहीं भारत के मुकाबले दूसरे देश में करवाए जा सकते हैं। दोनों को एक ही ग्रुप में रखा जाता है तो ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि किसी एक को दूसरे के सामने झुकना ही पड़ेगा।

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी का बयान

भारत में खेले पाकिस्तान टीम लेकिन भारत पाक में खेलने से इंकार करे, यह मंजूर नहीं

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। पाकिस्तान में हालात ठीक नहीं है लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की अकड़ कम होने ना नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए पाकिस्तान के अडिग रुख पर जोर दिया।

उन्होंने भारत की तुलना में अपनी टीम के निष्पक्ष व्यवहार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये बात स्वीकार नहीं है कि पाकिस्तान की टीम भारत जाए और भारतीय टीम पाकिस्तान ना आए।लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी से पहले वहां की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मोहसिन नकवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। वहीं पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप के लिए 2016 में और वनडे वर्ल्ड कप के लिए 2023 में भारत आ चुकी है लेकिन भारत ने पिछले करीब 15 साल में एक

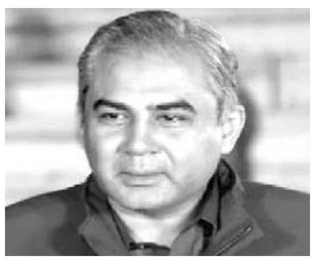

भी दौरा पाकिस्तान का नहीं किया है।

मोहसिन नकवी ने कहा कि स्वीकार्य नहीं है कि पाकिस्तान भारत में खेले, लेकिन भारत पाकिस्तान में खेलने से इनकार करे। उन्होंने कहा कि, हमारा स्टांस क्लियर है मैं वादा करता हूं कि हम पाकिस्तान क्रिकेट के लिए सबसे अच्छा काम करेंगे। मैं लगातार आईसीसी चेयरमैन के संपर्क में हूं और मेरी टीम उनसे लगातार बात कर रही है। हम अभी भी अपने रुख में स्पष्ट हैं कि ये स्वीकार्य नहीं है कि हम भारत में क्रिकेट खेलें और वे यहां क्रिकेट ना खेलें। जो भी होगा, समानता के आधार पर होगा। हमने आईसीसी को बहुत स्पष्ट रूप से बता दिया है कि और आगे जो भी होगा हम आपको बताएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी और मार्च में आयोजित की जाएगी। पाकिस्तान के तीन शहरों में इसका आयोजन होना है जिसमें लाहौर, कराची और रावलपिंडी को मेजबानी के लिए तैयार किया जा रहा है। वहीं भारत ने हाल ही में आईसीसी से कहा है कि पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकता। साथ ही भारत के मैचों को लेकर शेड्यूल विवाद के चलते आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अहम कार्यक्रम भी कैंसिल कर दिया, जो पाकिस्तान में होना था। भारत चाहता है कि वह अपने मैच यूएई में खेले और एक सेमीफाइनल और फाइनल भी यूएई में आयोजित हो।

राष्ट्रीय ग्रेपलिंग प्रतियोगिता में राजस्थान के 17 खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 28 नवम्बर। जम्मू कश्मीर में जम्मू यूनिवर्सिटी जिम्नेजियम हॉल में 24 से 26 नवंबर को आयोजित राष्ट्रीय जूनियर ग्रैपलिंग चैंपियनशिप आयोजित हुई जिसमें राजस्थान से 26 खिलाड़ियों ने ग्रैपलिंग प्रतियोगता में भाग लिया।

ग्रैपलिंग एसोसिएशन ऑफ़ राजस्थान के अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत व सचिव महेश कायथ ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों ने गी और नोगि दोनों इवेंट में 17 गोल्ड मेडल 8 सिल्वर मेडल और 10 ब्रोंज मेडल जीत कर राज्य का नाम रोशन किया है।

स्वर्ण पदक विजेता : ज्योति चौधरी, आरुषि शर्मा, अंकित शर्मा, मानस, पुष्पेन्द्र सिंह, वैष्णवी, अरुण स्वामी, काव्या, अमित, पूजा, बजरंग, साहिल, धीरज, ने स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान टीम के कोच सुनीत कुमार और टीम मैनेजर जितेंद्र कुमावत रहे। खिलाड़ियों को मुख्य संरक्षक जगदीश प्रसाद शर्मा, ग्रैपलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट महेश कायथ और एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने मेडल जीतकर आने पर सम्मानित किया।

यामल ने जीता वर्ष 2024 का गोल्डन बॉय पुरस्कार

रोम, 28 नवंबर। बार्सिलोना के फॉरवर्ड लैमिन यामल ने वर्ष 2024 का गोल्डन बॉय तथा महिला वर्ग में मिडफील्डर विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता है। ट्यूरिन स्थित मीडिया आउटलेट टुट्टोस्पोर्ट ने बुधवार को इन पुरस्कारों की घोषणा की। वर्ष 2003 से शुरू हुए गोल्डन बॉय पुरस्कार से यूरोप में 21 वर्ष या उससे कम आयु के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को पुरस्कृत किया जाता है। इससे पहले बार्सा फेमिनी स्टार विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता। अन्य पिछले विजेताओं में एर्लिंग हालैंड, किलियन म्बाप्पे और लियोनेल मेस्सी शामिल हैं। यामन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंडर-21 पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले सबसे कम उम्र खिलाड़ी हैं। यामल ने इस सत्र में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा है तथा ला लीगा में शीर्ष पर चल रही टीम बार्सिलोना के लिए 12 लीग मैचों में पांच गोल दागे हैं। बार्सिलोना की 18 वर्षीय आक्रामक मिडफील्डर विकी लोपेज ने गोल्डन गर्ल पुरस्कार जीता।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिये उमा छेत्री को टीम में किया शामिल

मुंबई, 28 नवंबर। अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले जाने वाले तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए घोषित 16 सदस्यीय टीम में उमा छेत्री को जगह दी गई है। 22 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज छेत्री ने जुलाई में भारत के लिए पदार्पण किया था और अब तक चार टी-20 मैच खेल चुकी हैं। अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चोटिल यस्तिका भाटिया की जगह पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बीसीसीआई की चिकित्सा दल भाटिया की रिकवरी पर नजर बनाये हुये है।

पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 99 रनों से हराया और सीरीज जीती

बुलावायो, 28 नवंबर। कामरान गुलाम (103) की शतकीय और अब्दुल्लाह शफीक (50) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने गुरुवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 99 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है।

304 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 10 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। जॉयलॉर्ड गंबी (पांच) और डिओन मेयर्स (चार) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान क्रेग एर्विन ने टीम के लिये सर्वाधिक (51) रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। तड़िवानशे मारुमानी (24), शॉन विलियम्स (24), सिकंदर रजा (16), क्लाइव मडांडे (20), फराज अकरम (5) और रिचर्ड

एनगारावा (17) रन बनाकर आउट हुये। ब्रायन बेनेट ने 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाकर (37) रनों की तूफानी पारी खेली। जिम्बाब्वे की पूरी टीम 40.1 ओवर में 204 के स्कोर पर सिमट गई।

पिंक बॉल टेस्ट में ब्यू वेबस्टर की हुई ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री

एडिलेड, 28 नवम्बर। एडिलेड में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम में ब्यू वेबस्टर की एंट्री हुई है। दरअसल, मौजूदा

ऑलराउंडर मिचेल मार्श की फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण ऑस्ट्रेलिया ने वेबस्टर को टीम में शामिल किया है। तस्मानियाई खिलाड़ी को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, इससे पहले टीम के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दावा किया था कि मेजबान टीम 6 दिसंबर से शुरू होने वाले डे-नाइट टेस्ट के लिए 13 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं करेगी। 33 साल के मिचेल मार्श को पर्थ में सीरीज के पहले मैच के बाद चोट लगी थी। उन्होंने ऑप्टस स्टेडियम में 17 ओवर फेंके थे। पर्थ टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया था। तस्मानिया के होबार्ट में एक दिसंबर 1993 में जन्में ब्यू वेबस्टर का घरेलू क्रिकेट में रिकॉर्ड बेहतरीन है। उन्होंने अब तक 93 फर्स्ट क्लास, 54 लिस्ट ए और 89 टी20 मैच खेले हैं।

श्रीलंका ने द. अफ्रीका को 191 रन पर समेटा

डरबन, 28 नवंबर। लाहिरू कुमारा और असिता फर्नांडो (तीन-तीन) विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका को 191 के स्कोर पर ढेर कर दिया।

आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने कल के चार विकेट पर 80 रन से आगे खेलना शुरू किया। अभी टीम के स्कोर में तीन रन का इजाफा हुआ था कि लाहिरू कुमारा ने काइल वेरेन (9) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद 85 के स्कोर पर वियान मुल्डर (नाबाद 9) रन पर रिटायर्ड हो गये। मार्को यानसन (13), गेराल्ड कोएट्जी (फ) रन बनाकर आउट हुए। उस समय टीम का स्कोर सात विकेट पर 117 रन था। ऐसे संकट के समय केशव महाराज ने कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

केशव महाराज ने 35 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुये (35) रनों की पारी खेली। नौवें विकेट के रुप में टेम्बा बावुमा को असिता फर्नांडो ने आउट किया। टेम्बा बावुमा ने 117 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (70) रनों की पारी खेली और अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा। कगिसो रबाडा (15) रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 49.4 ओवर में 191 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर लाहिरू कुमार और असिथा फर्नांडो ने तीन-तीन विकेट लिये। विश्वा फर्नांडो और प्रभात जयसूर्या ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

डी गुकेश का बेहतरीन प्रदर्शन, लिरेन को मात देकर जीती तीसरी बाजी

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बढ़ा हुआ होगा। 18 वर्षीय गुकेश विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के दावेदार हैं और वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

पिंक सिटी में हुई पिंक बॉल वाले वर्ल्ड टेनिस बॉल प्रीमियर लीग टी-10 की लॉंचिंग

जयपुर, 28 नवंबर। टेनिस बॉल क्रिकेट के नए युग की शुरुआत करते हुए विश्व टेनिस बॉल प्रीमियर लीग (डब्ल्यूटीपीएल) टी10 को आधिकारिक तौर पर गुरुवार को जयपुर मैरियट होटल में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया गया। 60 बॉल वाले इस टूर्नामेंट में 10 टीमें एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। डब्ल्यूटीपीएल का मुख्य उद्देश्य टेनिस बॉल क्रिकेट में क्रांति लाने के साथ ही 60 शहरों में ट्रायल के माध्यम से देश भर में शीर्ष प्रतिभाओं की खोज करना है।

डब्ल्यूटीपीएल लॉन्च इवेंट में संजय नाइक (उपाध्यक्ष, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन), आकाश चोपड़ा (पूर्व क्रिकेटर और प्रसिद्ध कमेंटेटर), निखिल चोपड़ा (पूर्व क्रिकेटर और प्रसिद्ध कमेंटेटर), पूर्व भारतीय क्रिकेटर परविंदर अवाना, अनिल चौधरी (अंतर्राष्ट्रीय अंपायर और प्रसिद्ध कमेंटेटर), और जयवीर शाह (आयुक्त, सौराष्ट्र प्रीमियर लीग) जैसे कई दिग्गज उपस्थित रहे। डब्ल्यूटीपीएल टी10 की स्थापना टेनिस बाल क्रिकेट को एक नए नजरिए से देखने वाले एक प्रतिष्ठित उद्यमी गौरव सचदेवा, दवा, रियल एस्टेट और निर्यात में 18 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता रखने वाले वाले उद्यमी रोहित बावरी व क्रिकेट में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रॉबिन चौधरी ने मिलकर की है। मैदान पर लोगों को अपनी कमेंट्री से कायल बना देने वाले आकाश चोपड़ा ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, ''टेनिस बॉल क्रिकेट में ऐसे सुपरस्टार मौजूद हैं जो आपको आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनमें प्रतिभा का ऐसा भंडार है कि यदि आप उन बच्चों को पेशेवर क्रिकेटरों के सामने मूल क्रिकेट गेंद से भी खिलाएं तो वे उन्हें भी हराने का दम खम रखते हैं। क्रिकेट का विकास होना चाहिए और टेनिस बॉल क्रिकेट हर किसी को अवसर प्रदान करता है।''

लीग की मेजबानी अस्थायी रूप से मई-जून 2025 में सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में की जाएगी, जिसमें 10 टीमें शामिल होंगी, जिनके नाम क्रमशः इस प्रकार हैं राजस्थान किंग्स, बॉम्बे बुलेट्स, दिल्ली डायनामोज, हरियाणा स्टैलियन्स, पंजाब रॉयल्स, चेन्नई स्ट्राइकर्स, कोलकाता वॉरियर्स, पुणे फाल्कन्स, गुजरात जगुआर, और यूपी थंडरबोल्ट। इस टूर्नामेंट में 25 लीग मुकाबले, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल सहित कुल 28 मैच खेले जाएंगे। मैचों का टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधा प्रसारण किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए अधिकतम दृश्यता सुनिश्चित हो सके। आयोजकों ने भविष्य में अपने महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण का भी खुलासा किया, जिसमें टेनिस बॉल क्रिकेट के साथ एशिया कप की मेजबानी और भारत और पाकिस्तान के बीच एक संभावित द्विपक्षीय श्रृंखला कराने की योजना भी शामिल है।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी अभिषेक का बयान

पढ़ाई से बचने के लिए उठाई हॉकी

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता फारवर्ड अभिषेक ने पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी खेलना शुरू किया था लेकिन उन्हें इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ क्योंकि इस खेल ने उन्हें पहचान, 'स्टारडम' और वह सब कुछ दिया जो वह जिंदगी में पाना चाहते थे। अभिषेक ने हालांकि पत्राचार के माध्यम से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने में कामयाबी हासिल की, लेकिन इस खिलाड़ी को पता था कि हमेशा से पता था कि खेल से उन्हें बेहतर उद्देश्य मिलेगा।

पेरिस ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक जीतने के अभियान में अहम योगदान निभाने वाले अभिषेक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''मैंने 11 या 12 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया थासोनीपत में इसके अलावा मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''मेरा एक दोस्त हॉकी खेलने के लिए काफी यात्रा करता था। मुझमें कभी पढ़ाई करने का धैर्य नहीं था और जब मैंने देखा कि मेरे दोस्त को हॉकी में व्यस्त होने के कारण स्कूल कम आना होता है, तो मैंने सोचा कि अगर मैं भी हॉकी खेलना शुरू कर दूं तो मैं भी ऐसा ही कर सकता हूं।''

हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के इस सदस्य ने कहा कि वह पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनके काम करने के तरीके के बड़े प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा, ''मैं रोनाल्डो का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनके मैदान के बाहर की दिनचर्या, उनका अनुशासन, खान-पान की आदतें... मैं उनके वीडियो देखता हूं और उन्हें (आदतों को) अपनी दिनचर्या में शामिल करने की कोशिश करता हूं।'' अभिषेक ने कहा कि उनका लक्ष्य भारतीय हॉकी स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को पुनर्जीवित करना है।''

भारतीय जीवन बीमा निगम खेलकूद प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले व समापन समारोह आज

जयपुर, 28 नवम्बर। भारतीय जीवन बीमा निगम की अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता के एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं सम्पन्न हुई जिनके परिणाम इस प्रकार रहेहेमर थ्रो पुरुष वर्ग मे जां नाम सार अख्तर ने 58.33 मीटर फेंक कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग मे सोनम ने 55.20 मीटर फेक कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।भाला फेक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग मे जितेन्द्र सिंह ने 58.30 मीटर व महिला वर्ग मे सहेजानी ने 44.30 मीटर भाला फेक कर खिताब अपने नाम किया। लम्बी कूद की महिला वर्ग की प्रतियोगिता मे 5.10 मीटर की छलांग लगाकर जोयलिन लोबो प्रथम व अनुमारिया जोन्स द्वितीय स्थान पर रही।400 मीटर दौड महिला वर्ग मे नीतू मैथ्यू प्रथम रही।

बालिवाल प्रतियोगिता मे साउथ सेन्ट्रल जोन व साउथ जोन ने अपने अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीत कर फाइनल मे प्रवेश किया।फाइनल कल होगा। शतरंज मे आठ चक्र के बाद पुरुष वर्ग मे नार्थ सेन्ट्ल जोन के दिनेश कुमार शर्मा सात अंको के साथ शीर्ष पर है और ग्रांड मास्टर श्रीराम झा दूसरे स्थान पर है।महिला वर्ग मे आठ चक्र के बाद ग्रांड मास्टर स्वाति घाटे व किरण मनीषा मोहन्ती 7.5 अंक बना कर बराबर है।

टेबल टेनिस के महिला क्वार्टर फाइनल मुकाबले मे पराजक्ता टिपाले (वेस्ट जोन) ने वी ज्योत्स्ना साउस सेन्ट्ल जोन को 3-0 व अनुमिता तरफदार (पूर्वी क्षेत्र) ने एस वी मोगरे (प. क्षेत्र) को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल मे प्रवेश किया।दूसरे मुकाबले मे उस्नस्वी मात्रे (प.क्षेत्र) ने रिपुदमा को 3-0 से व सीमोन दासतानी (साउथ सेन्ट्ल जोन) ने आर गीता को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल मे जगह बनाई।

पुरुष क्वार्टर फाइनल मे सौगत सरकार ने दिलीप सैन को 3-0 व रवी जोशी ने आर राजेश को 3-2 से पराग अग्रवाल ने विनय को 3-1 से व रोहित चक्रवर्ती ने जबरजीत सिंह को 3-0 से हराकर सेमी फाइनल मे प्रवेश किया सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले कल होगे।

मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट से आयोजन स्थल तक समिट की तैयारियाँ देखीं

उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम, अतिथियों की बैठक व्यवस्था आदि पर अन्तिम निर्देश दिये

जयपुर, 28 नवम्बर। प्रदेश में आगामी 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाले "राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस कड़ी में स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं तथा यह आयोजन राज्य की औद्योगिक दिशा को गति देने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आएंगे। ऐसे में राज्य सरकार तैयारियों

- प्रमुख सचिव उद्योग व वाणिज्य, अजिताभ शर्मा ने राइज़िंग राजस्थान की समस्त तैयारियों की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को विस्तृत जानकारी दी। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत तथा कई वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री के दौरे में उनके साथ थे।
- समिट के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था देखने के लिए मुख्यमंत्री जयमहल होटल भी गये।

शर्मा ने गुरूवार को समिट की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बस में बैठकर जयपुर शहर का दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने जयपुर एयरपोर्ट से आयोजन स्थल, जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेन्शन सेंटर (जे.ई.सी.सी.) तक विभिन्न तैयारियों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को समिट के ऐतिहासिक आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है। एवं व्यवस्थाओं को पूरा करने में मिशन मोड में लगी हुई है।

मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल जे.ई.सी.सी. में उद्घाटन सत्र के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए, अधिकारियों को तैयारियों को अन्तिम रूप देने के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री समिट के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के लिए जयमहल पैलेस भी गए। मुख्यमंत्री को प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य, अजिताभ शर्मा ने समिट की तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

इस दौरान, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के के विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जयपुर शहर का दौरा किया और अधिकारियों को समिट के ऐतिहासिक आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट जायेंगे

नयी दिल्ली, 28 नवंबर। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले शीर्ष न्यायालय के कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनमोहन को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की गुरुवार को सिफारिश की।

शीर्ष अदालत की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कॉलेजियम की 28 नवंबर को हुई बैठक में न्यायमूर्ति मनमोहन का नाम सर्वसम्मति से चुना गया। न्यायमूर्ति मनमोहन को 13 मार्च, 2008 को दिल्ली उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और वे 29 सितंबर, 2024 से उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं।

चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के कॉलेजियम की ओर से एक बयान में उल्लेख किया गया है कि न्यायमूर्ति मनमोहन उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संयुक्त अखिल भारतीय वरिष्ठता में क्रम संख्या दो पर हैं। इसके साथ ही, वे दिल्ली उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं।

सी.एस. को तलब कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिए। अदालत ने कहा कि एकलपीठ ने मामले को जनहित याचिका की तरह से देखते हुए आदेश जारी कर दिए और सरकार पर एक लाख रुपए का हर्जाना भी लगा दिया।

अपील में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि एकलपीठ के समक्ष आर.एस.आर.टी.सी. के खिलाफ याचिका दायर की गई थी, जिसकी राज्य सरकार पक्षकार भी नहीं थी। इसके बावजूद, एकलपीठ ने न केवल मामले में मुख्य सचिव को तलब किया, बल्कि 2015 के एक आदेश का हवाला देते हुए, सरकार पर एक लाख रुपए का हर्जाना भी लगा दिया।

ऐसे में एकलपीठ के आदेश को रद्द किया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी। दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से एकलपीठ के समक्ष खंडपीठ के आदेश की जानकारी दी गई। इस पर एकलपीठ ने मामले की सुनवाई आठ सप्ताह के लिए टाल दी।

उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट पर आयकर के छापे

आयकर विभाग ने उदयपुर, बांसवाडा, जयपुर, मुम्बई तथा गुजरात में 23 ठिकानों पर एक साथ कार्यवाही की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में गुरूवार को इनकम टैक्स की कार्यवाही से हड़कंप मच गया। उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक कंपनी के उदयपुर शहर सहित कुल 23 ठिकानों पर गुरूवार को अलसुबह कार्यवाही शुरू हुई। इस कार्यवाही के लिए टीमें सुबह पांच बजे ठिकानों पर पहुंच गई थीं। आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने उदयपुर में उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट, इनसे जुड़े सिरोया ग्रुप के विजेन्द्र सिरोया और इनकी कंपनियों सहित, तीन प्रतिष्ठानों पर आयकर कार्रवाई की है।

आयकर विभाग ने गुरुवार सुबह उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट लॉजिस्टिक के उदयपुर, बांसवाडा, जयपुर सहित मुंबई और गुजरात स्थित कार्यालय, उदयपुर के घर सहित 23 ठिकानों पर

- उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट के टीकम सिंह राव पर अवैध माल परिवहन के आरोप हैं।

एक साथ छापेमारी की, वहीं, इनसे कनेक्टेड पॉलीटेक्स एंड मार्बल व्यापारी विजेन्द्र सिरोया की कंपनियों के कार्यालय सहित, अन्य ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन किया है। इसके अलावा ट्रांसपोर्ट कंपनी द्वारा दिये गये डोनेशन के चलते उदयपुर का एक बड़ा एन.जी.ओ. भी जांच के दायरे में आ गया है।

आयकर विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार उदयपुर गोल्डन लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट के मालिक टीकम सिंह राव हैं। इनके पुत्र गगन सिंह राव किंग सेना अध्यक्ष हैं। वहीं, सिरोया पॉली प्लास्ट और सिरोया सीमेंट एंड कैमिकल इंडस्ट्री के मालिक विजेन्द्र सिरोया हैं। आयकर विभाग की टीमों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान कई दस्तावेज जुटाए हैं। करोड़ों की अघोषित संपत्ति का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है। आयकर कार्रवाई जारी है, हालांकि अब तक आयकर विभाग ने यह खुलासा नहीं किया है कि कितनी अघोषित संपत्ति का खुलासा हुआ है।

प्राप्त जानकारी अनुसार, उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट के टीकम सिंह राव पर अवैध ट्रांसपोर्टेशन का आरोप है। आयकर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, अवैध माल परिवहन की शिकायत मिलने के बाद सत्यापन कराया गया था। टीम ने मौके पर पहुंच कर कंपनी के काम के तरीके की जांच की। इसमें गड़बड़ी मिली। मामला सही पाए जाने पर टीम ने रेड की तैयारी की। इसके बाद गुरूवार को इनकम टैक्स विभाग की ओर से राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में एक साथ कार्यवाही शुरू की गई। उदयपुर में 16 ठिकानों के साथ गुजरात में 2, मुंबई में एक, बांसवाडा में तीन और जयपुर में एक टीम ने जांच की। इस कार्यवाही में 150 से ज्यादा लोग टीम में शामिल हैं।

आयकर विभाग की टीमों ने उदयपुर में कुल 16 जगहों पर एक साथ कार्यवाही को अंजाम दिया। इसमें उदयपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट के कार्यालय के साथ गोदाम व टीकम सिंह राव का निवास शामिल हैं। आयकर विभाग की टीमें एक साथ सभी जगहों पर पहुंचीं। इसमें सेक्टर 13 स्थित उनके निवास के साथ कुल तीन घरों में सर्च अभियान चलाया गया।

इसके अलावा उदियपोल स्थित कार्यालय के साथ मावली रोड पर बने एक रिसोर्ट में कार्यवाही को अंजाम दिया गया। इधर, बांसवाडा के कॉमर्शियल कॉलोनी स्थित ऑफिस में भी टीम पहुंची है। इस ऑफिस से संबंधित काम भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गोविंद सिंह राव देखते हैं। गोविंद सिंह राव का मुख्य व्यवसाय ट्रांसपोर्ट का है। उधर, रेड से संबंधित जानकारी देने से आयकर विभाग के अधिकारी बचते नजर आए।

सी.एम. का पहला संकल्प: उद्घाटन समारोह सौर ऊर्जा से

जयपुर, 28 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9-11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले "राइजिंग राजस्थान समिट" के माध्यम से राज्य में औद्योगिक परिदृश्य को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की आर्थिक उन्नति के संकल्प को पूरा करने के लिए जी जान से जुटी हुई है। इसी कड़ी में, हम राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए आगामी 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नया संकल्प लेंगे।

शर्मा ने पहला संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट का उद्घाटन दिवस पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगा।

उन्होंने कहा कि यह समिट सूरज की ताकत से प्रदेश के विकास में नया सवेरा लाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश में निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए अक्षय

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अगले 10 दिन, राइज़िंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए रोज नया संकल्प लेंगे।

ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाए। राज्य सरकार की अनुकूल निवेश नीतियों से, राजस्थान अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की पसंद बना हुआ है तथा आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि हम प्रदेश को 2027 तक ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि इन संकल्पों के माध्यम से, अगले 5 वर्षों में प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाया जाएगा। विकसित राजस्थान-2047 की संकल्प- सिद्धि में राइजिंग राजस्थान का आयोजन मील का पत्थर साबितदवा होगा। मुख्यमंत्री ने समिट के सफल आयोजन में सभी महत्वपूर्ण वर्गों को भागीदार बनने का आव्हान किया।

संसद में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के खिलाफ जबरदस्त प्रचार करते रहे हैं तथा कहते रहे हैं कि जब तक परिवारवादी राजनीति का अन्त नहीं होगा, भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी पार्टी ने भी परिवारवादी राजनीति को खत्म करने की दिशा में कदम नहीं उठाये हैं।

नाबालिग का अपहरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया, लेकिन कोई पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान, पीड़िता की ओर से अदालत को बताया गया कि वह विकास से बातचीत करती थी। घटना की 11 अप्रैल की रात वह और गजेन्द्र कार लेकर उसके घर आए और उसे जयपुर लेकर चले गए।

इसके बाद विकास उसे सीकर ले गया, जहां से उसे गुजरात ले गए। गुजरात में विकास और भोमाराम ने उसे शराब पिलाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद, वह उसे सिरपुर, किंग गांव और बाद में जयपुर ले आए। इस दौरान, विकास और भोमाराम ने कई बार दुष्कर्म किया। आखिर में उसे यह कहते हुए जयपुर रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया कि वो पन्द्रह दिन बाद आकर उसे ले जाएंगे। रेलवे स्टेशन पर पुलिस और उसके परिजन 31 मई को आकर उसे ले गए।

सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. की याचिका पर यासीन मलिक से जवाब मांगा

सी.बी.आई. ने रुबैया सईद अपहरण से जुड़े गवाहों की जिरह तिहाड़ जेल में करने की याचिका लगाई

नई दिल्ली, 28 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने चार भारतीय वायुसेना कर्मियों की हत्या और 1989 में मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के मामले से जुड़े गवाहों की जिरह के लिए, संबंधित मुकदमा जम्मू से दिल्ली की तिहाड़ जेल में स्थानांतरित करने की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की याचिका पर गुरुवार को आरोपी यासीन मलिक से जबाव तलब किया।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया।

- यासीन मलिक आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक सहायता देने के आरोप में तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

पीठ ने मामले के आरोपी और तिहाड़ जेल में बंद मलिक को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मलिक आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक सहायता देने के लिए तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष कहा कि मामले में मुकदमा स्थानांतरित करने और सह-आरोपियों को पक्षकार बनाने के लिए आवेदन दायर किए गए हैं। मेहता ने कहा कि तिहाड़ जेल में वर्तमान में अदालत चलाने की सुविधा है। उन्होंने अदालत के समक्ष यह भी कहा कि आरोपी भी तिहाड़ जेल में ही बंद हैं।

सी.बी.आई. का पक्ष जानने के बाद न्यायालय ने आरोपी से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 दिसंबर की तारीख मुकर्रर कर दी। इससे पहले, 27 नवंबर को शीर्ष अदालत ने सी.बी.आई. से कहा था कि वह मलिक को जम्मू-कश्मीर ले जाने के एजेंसी के विरोध के मद्देनजर आरोपी के खिलाफ गवाहों से जिरह करने के लिए जेल में अदालत स्थापित करने का विकल्प तलाशे। सी.बी.आई. ने जम्मू की एक विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसने मलिक को जिरह के लिए पेश होने का वारंट जारी किया था। विशेष अदालत ने मलिक की शारीरिक उपस्थिति, चार भारतीय वायुसेना कर्मियों की हत्या और 1989 में मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़े गवाहों से जिरह के लिए निर्देश दिये थे।

सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को संभल मस्जिद मामले की सुनवाई करेगा

मुद्दा है, संरक्षित स्मारक की सुरक्षा तथा कोर्ट के सर्वे के आदेश का

संभल, 28 नवंबर। उत्तर प्रदेश के संभल कीशाही जामा मस्जिद का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस याचिका में निचली अदालत के सर्वे के आदेश को चुनौती दी गई है। याचिका में मांग की गई है कि निचली अदालत के फैसले पर तुरंत रोक लगाई जाए। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की बैंच शुक्रवार को सुनवाई करेगी। मुस्लिम पक्ष ने मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना से जल्द सुनवाई की मांग की है। कोर्ट में कहा गया है कि ये असाधारण मामला है इसलिए अदालत को असाधारण कदम उठाना चाहिए।

- एक पक्ष निचली अदालत के सर्वे पर रोक चाहता है, तो दूसरा पक्ष हिन्दू मंदिर को तोड़कर हुए निर्माण को हटा कर मूल मंदिर वापस चाहता है।

संभल मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष का दावा है कि 1526 में मुगल शासक बाबर ने एक हिंदू मंदिर को तोड़कर शाही जामा मस्जिद का निर्माण किया था। यह जगह मूल रूप से हरिहर मंदिर की है। ऐसे में मस्जिद का मालिकाना हक हिंदू पक्ष को मिलना चाहिए।

हिंदू पक्ष की तरफ से वकील हरि शंकर जैन ने याचिका दाखिल की थी, जिसे निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया और उसी दिन सर्वे के लिए अधिवक्ता नियुक्त करने का निर्देश दिया। अधिवक्ता नियुक्ति होने के बाद उसी दिन मस्जिद का सर्वे भी हो गया। अगले दिन भी प्रशासन की टीम सर्वे के लिए पहुंची। इसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए। हिंसा के बाद से संभल का मामला तूल पकड़ चुका है।

मुस्लिम पक्ष का कहना है कि निचली अदालत ने उनका पक्ष सुने बिना ही फैसला सुना दिया। इसलिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसके अलावा मुस्लिम पक्ष का कहना है कि जामा मस्जिद संरक्षित स्मारक है, जिसे प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904 के तहत 22 दिसंबर 1920 को अधिसूचित किया गया था। सरकार इसे राष्ट्रीय महत्व का स्मारक भी घोषित कर चुकी है और यह मस्जिद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की केंद्र की ओर से संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल है। मुस्लिम पक्ष यह भी कह रहा है कि प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के तहत 1947 से पहले बने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की जानी चाहिए।

मोदी को धमकी मामले में महिला गिरफ्तार

मुंबई, 28 नवंबर। मुंबई पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हत्या की धमकी देने वाली फर्जी कॉल करने के आरोप में गुरुवार को मुंबई से 34 वर्षीय एक महिला को हिरासत में लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शहर पुलिस के मुख्य नियंत्रण कक्ष को आज सुबह करीब 09:13 बजे एक महिला का फोन आया, जिसने दावा किया कि मोदी की हत्या की साजिश रची गई है और हत्या के लिए एक हथियार भी तैयार है। जांच के बाद, पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया और उसके बारे में जानकारी कर रही है।

पुलिस के अनुसार, महिला ने 12वीं तक पढ़ाई की है, अविवाहित है और अपनी छोटी बहन के घर के पास एक घर में अकेली रहती है। उन्होंने बताया कि वह छोटी-छोटी समस्याओं के लिए मदद मांगने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करती रहती है।

भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया

इस मिसाइल की रेंज 3500 किलोमीटर है तथा यह परमाणु पनडुब्बी पर लगेगी

नई दिल्ली, 28 नवंबर। भारतीय नौसेना ने बुधवार (27 नवंबर) को आईएनएस अरिघात से "के-4 बैलिस्टिक मिसाइल" का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल की रेंज 3500 किलोमीटर है। भारतीय नौसेना से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस मिसाइल टेस्ट के नतीजों का विश्लेषण किया जा रहा है।

भारत इससे पहले जमीन से वार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल और लॉन्च सिस्टम का सफल परीक्षण कर चुका है। ऐसे में यह परीक्षण हमले की दूसरी लाइन तैयार करने के लिए अहम है। भारतीय नौसेना ने अगस्त में विशाखापत्तनम स्थित शिप बिल्डिंग सेंटर में पनडुब्बी (आई.एन.एस. अरिघात) को अपने बेड़े में शामिल किया था। सूत्रों ने बताया कि मिसाइल की पूरी रेंज का टेस्ट करने से पहले डी.आर.डी.ओ. ने पानी के नीचे स्थित प्लेटफॉर्म से मिसाइल दागने के कई टेस्ट किए थे। भारतीय नौसेना अब मिसाइल प्रणाली के और अधिक टेस्ट करने की योजना बना रही है।

- यह मिसाइल डा. अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद तथा डी. आर. डी.ओ. की प्रयोगशालाओं तथा उद्योग भागीदारों द्वारा बनाई गई पूर्णतया स्वदेशी मिसाइल है।

नौसेना के पास बैलिस्टिक मिसाइल दागने की क्षमता वाली दो परमाणु पनडुब्बियां हैं, जिनमें आई.एन.एस. अरिहंत और अरिघात शामिल हैं। तीसरी पनडुब्बी भी लॉन्च हो चुकी है।

प्रियंका ने लोकसभा की सदस्यता की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसके बाद उन्होंने अपने भाई तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को गले लगाया। शपथ लेने के बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष से भी मिली तथा उनका भी आशीर्वाद लिया।

केरल के वायनाड संसदीय क्षेत्र की प्रतिनिधि के रूप में शपथ लेने के बाद, पत्रकारों से बात करते हुये उन्होंने कहा, "मेरी प्राथमिकता देश से जुड़े मुद्दों को उठाने की रहेगी।"

उन्होंने कहा कि संविधान से ऊपर कुछ नहीं है तथा वे (कांग्रेस) इसके लिये संघर्ष करती रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस यह कहती आ रही है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार के रहते संविधान खतरे में हैं।

एक प्रश्न के उत्तर में प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकसभा में उनके प्रवेश से सदन में राहुल और कांग्रेस पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

प्रियंका अभी-अभी सम्पन्न हुये उपचुनाव में, वायनाड से यह लोकसभा सदस्य चुनी गईं हैं। आम चुनाव में उनके भाई राहुल गांधी रायबरेली सीट के साथ ही, वायनाड से भी जीते थे। चुनाव के बाद, उन्होंने रायबरेली सीट अपने पास रखी थी तथा वायनाड सीट खाली कर दी थी। प्रियंका की यह प्रथम चुनावी जीत बहुत चर्चित रही, क्योंकि उन्होंने सी.पी.आई. उम्मीदवार सत्यम मोकरी को 4,10,931 वोटों के बहुत बड़े अन्तर से हराया था। भाजपा की नव्या हरिदास तो बहुत पीछे तथा तीसरे नम्बर पर थीं।

संसद के निम्न सदन (लोकसभा) में प्रियंका के प्रवेश पर उल्लसित सोनिया, जो कांग्रेस पालियामेन्ट्री पार्टी (सी.पी.पी.) की चेयरपर्सन भी हैं, ने कहा, "हम सबको बहुत प्रसन्नता एवं गर्व है।"

राहुल, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने सोशल मीडिया की पोस्ट में लिखा, "प्रियंका, हमें तुम पर गर्व हैं।"

कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने "एक्स" पर एक पोस्ट में कहा कि वे (प्रियंका) संसद में देश की जनता, खासतौर से महिलाओं की सशक्त आवाज बनेंगी।

खड़गे ने कहा कि उनके सक्षम नेतृत्व, संवेदनशीलता, साहस, शालीनता तथा दृढ़ता एवं संविधान के सिद्धान्तों के प्रति दृढ़ निष्ठा से देश की जनता का लाभ होगा।

प्रियका गांधी के शपथ ग्रहण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये, कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, "यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब प्रियंका जी संसद में प्रवेश कर रही हैं।.."

कांग्रेस नेता तथा केरल से उनके साथी सांसद शशि थरूर ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये, शपथ-ग्रहण के लिये केरल-निर्मित साड़ी पहनने के लिये उनकी प्रशंसा की। सदन के बाहर, थरूर ने कहा, "मुझे बड़ी खुशी है कि हमने उनका प्रचार किया था। मुझे बड़ी खुशी है कि वे विजयी हुईं।.. और जैसा कि आप देख सकते हैं कि वे बड़े सलीक़े से केरल साड़ी पहने हुये हैं।"

प्रियंका के अलावा, कांग्रेस नेता रवीन्द्र वसंतराव चव्हाण ने भी लोकसभा में सांसद की शपथ ली। चव्हाण नाँदेड़ उपचुनाव में विजयी रहे, जहाँ उन्होंने भाजपा प्रत्याशी डॉ. मारूतराव हमबार्डे को 1,457 वोटों के मामूली अन्तर से हराया था।

ये दोनों उपचुनाव जीत कांग्रेस को लिये मनोबल बढ़ाने वाली जरूर रही, इनके अलावा तो यह चुनावी दौर उसके लिये निराशाजनक ही रहा है क्योंकि महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों में तो शानदार अतीत वाली यह पार्टी 16 सीटों पर सिमट गई है।

बांग्लादेश में वकील की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिन्मय दास ने यूनुस सरकार से कहा है कि वह हिंसा एवं अनिश्चितता से हिन्दू समुदाय की रक्षा करे। लूटपाट करने वाली भीड़ ने बहुत सारे लोगों की हत्या तक कर दी है।

स्थिति इतनी ज्यादा गंभीर हो गई है कि आम लोग भी स्वयं को संकट में महसूस कर रहे हैं तथा समाधानों की तलाश में हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के पलायन के बाद, लगातार हिंसा तथा उपद्रव -उत्पात के चलते देश की अर्थव्यवस्ता को जबरदस्त आघात पहुंचा है।

बांग्लादेश, जो रेडीमेड कपड़ों के निर्यात के सहारे जीवित था, अब पश्चिम के निर्यात मार्केट में बुरी तरह नीचे गिर चुका है तथा इसका लाभ अन्य देश, जिनमें वियतनाम सर्वाधिक प्रमुख है, उठा रहे हैं। बांग्लादेश से होने वाला रेडीमेड गारमेन्ट्स का निर्यात बिल्कुल ठप सा हो गया है, जबकि इसी के जरिये यह देश सर्वाधिक विदेशी मुद्रा कमाया करता था। आगामी महीनों में, मुहम्मद यूनुस की सरकार के सामने एक और बड़ी परेशानी एवं बाधा और आने वाली है। यूनुस ने अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर उस समय व्यंग्य करते हुये, उनकी जमकर निन्दा की थी, जब वे अमेरिका की सत्ता के आस-पास भी नजर नहीं आ रहे थे। ट्रम्प ने इस बात को सहजता से नहीं लिया है। ऐसी आशंका है कि अपने पद का कार्य-भार संभालने के बाद, ट्रम्प बांग्लादेश को सबक सिखाना जरुर चाहेंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि एक बार ट्रम्प अपना पद संभाल लें, उसके बाद, अमेरिका की नई सरकार बांग्लादेश के मामले में कार्यवाही करने का कोई अलग ही रास्ता अपनायेगी। स्थितियाँ ऐसी दिखाई दे रही हैं बांग्लादेश की सत्ता में शीघ्र ही कोई बड़ा परिवर्तन होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600